दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

सोमवार 24 नवंबर 2025

सूर्योदय प्रात: 06:51 बजे

सूर्यास्त सांय 17:25 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 व्हाइट कॉलर टेरर : लैब कोट में छिपा आतंक

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 038 | गाजियाबाद, सोमवार 24 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

जी20 : पीएम ने सैटेलाइट डेटा साझा करने

खनिजों और खाद्य सुरक्षा पर रोडमैप का प्रस्ताव तैयार

✷ वेबवार्ता. जोहान्सबर्ग/नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जी20 शिखर सम्मेलन में दो महत्वपूर्ण पहलों का प्रस्ताव रखा, जिसमें देशों के बीच सैटेलाइट डेटा को अधिक सुलभ बनाने के लिए एक जी20 ओपन सैटेलाइट डेटा पार्टनरशिप और एक जी20 क्रिटिकल खनिज चक्रीय पहल की स्थापना शामिल है। इन दोनों पहलों से वैश्विक दक्षिण के देशों को लाभ हो सकता है।

यहां जी20 शिखर सम्मेलन के दूसरे सत्र का विषय 'लचीला विश्व - आपदा जोखिम न्यूनीकरण, जलवायु परिवर्तन, न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन और खाद्य प्रणालियों में जी20 का योगदान' था। इस सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने खाद्य सुरक्षा और पोषण पर उच्च-श्तरीय सिद्धांत पर आधारित एक रोडमैप बनाने पर भी जोर दिया।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को पूरी मानवता के लिए फायदेमंद बताते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहाः 'भारत का मानना है कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से पूरी मानवता को लाभ हो। इसलिए, भारत जी20 ओपन सैटेलाइट डेटा पार्टनरशिप का प्रशताव कर रहा है। इससे जी20 अंतरिक्ष एजेंसियों का सैटेलाइट डेटा और विश्लेषण दक्षिणी देशों के लिए अधिक सुलभ, अंतर-कार्यकारी और उपयोगी बनाया जा सकेगा।' महत्वपूर्ण खनिजों पर जोर देते हुए, श्री मोदी ने कहा कि वैश्विक विकास के लिए स्थिरता और स्वच्छ ऊर्जा आवश्यक हैं, जिसमें इन खनिजों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने इन खनिजों को 'मानवता की साझी संपदा' बताया। उन्होंने कहाः 'इसलिए, भारत जी20 क्रिटिकल खनिज चक्रीय पहल का प्रशताव रखता है। यह पहल री-साइक्लिंग, अर्बन माइनिंग और सेकंड-लाइफ बैटरी जैसे नवाचारों को बढ़ावा दे सकती है।'

उन्होंने स्पष्ट किया कि चक्रीयता में निवेश से प्राथमिक खनन पर निर्भरता कम होगी, आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव घटेगा, और यह प्रकृति के लिए भी लाभकारी होगा। यह पहल संयुक्त अनुसंधान, प्रौद्योगिकी मानकों और ग्लोबल साउथ में पायलट री-साइक्लिंग सुविधाओं का समर्थन कर सकती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और अन्य चुनौतियों के कारण कृषि क्षेत्र और खाद्य सुरक्षा पर खतरा अधिक गंभीर होता जा रहा है। उन्होंने बताया कि कई देशों में किसानों को उर्वरक, प्रौद्योगिकी, ऋण, बीमा और बाजार तक पहुंच जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत द्वारा उठाए जा रहे कदमों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहाः 'भारत में, हम विश्व का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा और पोषण सहायता कार्यक्रम चलाते हैं। भारत विश्व का सबसे बड़ा स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम और सबसे बड़ी फसल बीमा योजना भी चलाता है।

जस्टिस सूर्यकांत कल देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ लेंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को देश के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। राष्ट्रपति भवन में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में ब्राजील सहित दुनिया के 7 देशों के मुख्य न्यायाधीश और उच्चतम न्यायालय के जज शामिल होंगे। इस समारोह में ब्राजील के अलावा भूटान, केन्या, मलेशिया, मारीशस, नेपाल और श्रीलंका के चीफ जस्टिस और उनके साथ आए परिजन शामिल होंगे।

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में यह पहला मौका होगा जब किसी चीफ जस्टिस के शपथ ग्रहण समारोह में इतनी बड़ी संख्या में दूसरे देशों के न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति होगी। जस्टिस सूर्यकांत देश के 53वें चीफ जस्टिस होंगे और उनका कार्यकाल 14 महीने का होगा। वे 9 फरवरी, 2027 को रिटायर होंगे। जस्टिस सूर्यकांत हरियाणा से पहले चीफ जस्टिस होंगे। मौजूदा चीफ जस्टिस बीआर गवई के आज रिटायर होंगे। जस्टिस बीआर गवई का अंतिम कार्य दिवस 22 नवंबर को था।

जस्टिस सूर्यकांत ने अपने शपथग्रहण से पहले मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता अदालतों में लंबित मामलों से निपटने की होगी। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 75 साल पूरे होने के बाद हमारे फैसलों की दूसरे देशों में नजीर दी जाती है इसलिए हमें अपने दर्शन और न्यायशास्त्र की जरुरत है।

मीडिया रिपोर्टिंग पर बोलते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि कुछ मीडिया जिम्मेदार हैं जो कोर्ट की रिपोर्टिंग सही से करते हैं। सोशल मीडिया पर सुप्रीम कोर्ट और जजों की ट्रोलिंग से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कौन क्या कहता है, हमें असर नहीं पड़ता।

एसआईआर कोई सुधार नहीं थोपा गया जुल्म है : राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने विभिन्न राज्यों में बूथ श्तर के अधिकारियों की मौत को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग को घेरा है। पार्टी का आरोप है कि एसआईआर के नाम पर देश में अफरा-तफरी मचा रखी है। तीन सप्ताह में 16 बीएलओ की जान चली गई।

एसआईआर कोई सुधार नहीं है, बल्कि यह एक थोपा गया जुल्म है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि चुनाव आयोग ने ऐसा सिस्टम बनाया है, जिसमें नागरिकों को खुद को तलाशने के लिए 22 साल पुरानी मतदाता सूची के हजारों स्कैन पन्ने पलटने पड़े। मकसद साफ है कि सही मतदाता थककर हार जाए और गड़बड़ी बिना रोक-टोक जारी रहे।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत दुनिया के लिए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर बनाता है, मगर भारत का चुनाव आयोग आज भी कागजों का जंगल खड़ा करने पर ही अड़ा है। आयोग की नीयत पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि नीयत साफ होती तो लिस्ट डिजिटल, सर्चेबल और मशीन-रीडेबल होती।

चुनाव आयोग को 30 दिन की हड़बड़ी के बजाय उचित समय ले कर पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी अब जानलेवा रूप ले चुकी है।

एसआईआर को नोटबंदी और लॉकडाउन से जोड़ते हुए पार्टी ने एसआईआर को एक जल्दबाजी में लिया गया फैसला करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खबर भी साझी की, जिसमें कहा गया है कि एसआईआर के दौरान 19 दिन में 16 बीएलओ की मौत हो चुकी है।

खरगे ने मरने वाले बीएलओ के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि हकीकत यह है कि मृतकों की वाश्तविक संख्या बताई गई संख्या से कहीं ज्यादा है, जो बेहद चिंताजनक है।

इन परिवारों को न्याय कौन दिलाएगा? उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा गड़बड़ी से हासिल सत्ता की मलाई खाने में व्यश्त है और निर्वाचन आयोग मूकदर्शक बनकर सिर्फ तमाशा देख रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को संदेश जारी करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने धर्म, मानवता और सत्य के आदर्शों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका साहस, त्याग और निस्वार्थ सेवा सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाएँ हमें सदैव दृढ़ संकल्प और साहस के साथ न्याय के पथ पर चलने की प्रेरणा देती हैं। राष्ट्रपति ने देशवासियों से आह्वान किया कि इस अवसर पर हम सभी संकल्प लें कि गुरु तेग बहादुर जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए देश में सौहार्द, सद्भाव और एकता के मूल्यों को और सुदृढ़ करें।

वांगचुक की याचिका पर सुनवाई आज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट 24 नवंबर (सोमवार) को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी की अर्जी पर सुनवाई करेगा। वांगचुक की पत्नी ने शीर्ष अदालत में दायर अर्जी में बताया कि उनके पति को कठोर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में रखना गैर-कानूनी है और यह उनके बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन करने वाला एक मनमाना कदम है। शीर्ष अदालत ने 29 अक्तूबर को वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की अर्जी पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। अदालत की 24 नवंबर की वाद सूची के मुताबिक, अर्जी पर न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ सुनवाई करेगी। वांगचुक को 26 सितंबर को रासुका के तहत उस समय हिरासत में लिया गया था, जब लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर हिंसक प्रदर्शन हुए थे।

आरबीआई परिपत्र पालन संबंधी रिपोर्ट दाखिल करें बैंक

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बैंकों से कहा कि वे स्थानीय भाषा समेत तीन भाषाओं में जरूरी दश्तावेज प्रकाशित करने वाले आरबीआई परिपत्र का पालन करने के संबंध में रिपोर्ट दाखिल करें। अदालत को बताया गया कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और कुछ दूसरे बैंकों ने पहले ही रिपोर्ट दाखिल कर दी है। 'बांग्ला पोक्खो चैरिटेबल ट्रस्ट' ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पश्चिम बंगाल में बैंकों को आरबीआई परिपत्र का पालन करने और उनकी सभी शाखाओं में स्थानीय भाषा बांग्ला का इश्तेमाल करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने निर्देश दिया कि मामला दिसंबर के पहले हफ्ते में फिर से सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

आईटीबीपी भारत-चीन सीमा पर 10 महिला चौकियां स्थापित करेगी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) वाश्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर महिला कर्मियों वाली 10 चौकियां स्थापित कर रही है। अर्धसैनिक बल के महानिदेशक ने यह जानकारी दी। आईटीबीपी 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन वाश्तविक नियंत्रण रेखा की रक्षा करती है, जो दुर्गम और बर्फीला सीमांत क्षेत्र है। लद्दाख में 2020 के सैन्य झड़प के बाद अर्धसैनिक बल ने भारत के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में अग्रिम मोर्चे पर चौकियों की संख्या को बढ़ाया है। आईटीबीपी के महानिदेशक प्रवीण कुमार ने शनिवार को जम्मू में आयोजित बल की 64वीं स्थापना दिवस परेड के दौरान कहा कि हमने अग्रिम तैनाती योजना पर काम किया है और इसके परिणामस्वरूप, अग्रिम मोर्चे की सीमा चौकियों की संख्या अब 180 की तुलना में 215 हो गई है। उन्होंने बताया कि एलएसी पर

मोदी ने जी20 में कहा, एआई दुरुपयोग रोकने पर हो वैश्विक समझौता

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज जी-20 सम्मेलन के तीसरे सत्र में महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के तरीक़े में बड़े बदलाव की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग 'वित्त-केंद्रित' के बजाय 'मानव-केंद्रित', 'राष्ट्रीय' के बजाय 'वैश्विक' और 'विशेषाधिकार-आधारित मॉडल' के बजाय 'मुक्त स्रोत' पर आधारित होने चाहिए।

उन्होंने बताया कि मानव केंद्रित दृष्टिकोण को भारत के प्रौद्योगिकी तंत्र में समाहित किया गया है और इससे अंतरिक्ष अनुप्रयोगों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता या डिजिटल भुगतान में बड़े लाभ हुए हैं, जहां भारत दुनिया में अग्रणी है।

प्रधानमंत्री ने एआई को लेकर मानवीय निगरानी, डिज़ाइन के अनुसार सुरक्षा और दुरुपयोग को रोकने के सिद्धांतों पर आधारित वैश्विक समझौते की अपील की। प्रधानमंत्री 'सभी के लिए एक न्यायसंगत और उचित भविष्य – महत्त्वपूर्ण खनिज; सम्मानजनक कार्य; कृत्रिम बुद्धिमत्ता' पर अपनी बात रख रहे थे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर प्रधानमंत्री ने न्यायसंगत पहुँच, जन-श्तरीय कौशल निर्माण और उत्तरदायी तैनाती पर आधारित भारत के दृष्टिकोण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इंडिया-एआई मिशन के तहत, सुलभ उच्च-प्रदर्शन क्षमता तैयार की जा रही है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ देश में सभी तक पहुँचे। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को दुनिया की भलाई में परिवर्तित होना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानवीय क्षमताओं को बढ़ाना चाहिए, लेकिन अंतिम निर्णय मनुष्य को ही करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत फरवरी 2026 में 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' थीम के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रभाव सम्मेलन की मेज़बानी करेगा और सभी जी-20 देशों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री ने ज़ोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में, हमें अपने नज़रिए को 'आज की नौकरियों' से 'कल की क्षमताओं' की ओर तेज़ी से मोड़ने की आवश्यकता है। नई दिल्ली जी-20 सम्मेलन में प्रतिभा गतिशीलता पर हुई प्रगति को याद करते हुए, उन्होंने प्रश्ताव दिया कि समूह को आने वाले वर्षों में प्रतिभा गतिशीलता के लिए एक वैश्विक ढाँचा तैयार करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने दुनिया की भलाई के लिए भारत के संदेश और प्रतिबद्धता को दोहराते हुए अपनी बात समाप्त की। यानी टिकाऊ विकास, भरोसेमंद व्यापार, उचित वित्त और ऐसी प्रगति जिसमें सबकी प्रगति शामिल हो।

कैंची धाम के पास शिक्षकों की कार शिप्रा नदी में गिरी, तीन मरे

✷ वेबवार्ता. देहरादून/नैनीताल ✷

उत्तराखंड के जनपद नैनीताल में अल्मोडा मार्ग पर कैंची धाम के निकट शनिवार देर शाम एक वाहन के अनियंत्रित होकर शिप्रा नदी में जा गिरने से उसमें सवार तीन व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई और एक बुरी तरह घायल हो गया।

ये सभी चारों लोग शिक्षक थे और अल्मोडा से हल्द्वानी एक बरात में शामिल होने जा रहे थे। घायल व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। एसडीआरएफ के कमांडेंट अर्पण यदुवंशी ने बताया कि पुलिस चौकी खैरना से कैंची धाम के समीप एक महिंद्रा एक्सयूवी 500 वाहन के दुर्घटनाग्रश्त होने की जानकारी प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पोस्ट खैरना से निरीक्षक राजेश जोशी के नेतृत्व में बचाव दल तत्काल घटना स्थल के लिए रवाना कर दिया गया।

इस दल को मौके पर पहुँच कर पता लगा कि अल्मोड़ा से हल्द्वानी जा रही एक बरात की गाड़ी रतिघाट नामक स्थल पर लगभग 60 मीटर गहरी खाई में गिर गई है।

उन्होंने बताया कि कठोर भू-भाग, गहरी खाई, रात्रि का अंधकार एवं प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद एसडीआरएफ टीम ने पूरी तत्परता से बचाव कार्य चलाया।

इस दौरान एक घायल व्यक्ति मनोज कुमार को गहरी खाई से सुरक्षित निकालकर नजदीकी खैरना अस्पताल भेजा गया। जबकि तीन लोगों के शवों को खाई से निकालकर स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

श्री यदुवंशी ने बताया कि मृतकों की पहचान संजय बिष्ट, सुरेंद्र भंडारी और पुष्कर भैसोड़ा (सभी अल्मोड़ा निवासी) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि ये सभी शिक्षक थे, और वे अल्मोड़ा से हल्द्वानी एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

उत्तराखंड-हिमाचल में नवंबर की पहली बर्फबारी : बर्फ से ढका बद्रीनाथ धाम, जमी झील

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम ने करवट ली है। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई। पूरी ऊंचाई वाला मंदिर परिसर बर्फ की मोटी सफेद चादर से ढक गया। तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया।

चमोली की ही ऊंचाई वाली शेषनेत्र झील पूरी तरह जम गई है। वहीं पिथौरागढ़ जिले के 14,500 फीट पर स्थित आदि कैलाश क्षेत्र में भी भारी बर्फबारी दर्ज की गई, जिससे ओम पर्वत सहित सभी पवित्र झीलें जम गईं। बर्फ से ढके मनोरम दृश्य देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं। इधर, राजस्थान में लगातार सता रही कड़ाके की ठंड को एक सप्ताह बाद ब्रेक लगा है।

शुक्रवार को अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, जिससे कई जगहों पर पारा सिंगल डिजिट से डबल डिजिट में पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो सप्ताह तक तापमान में कोई बड़ी गिरावट की संभावना नहीं है।

हालांकि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण सुबह-शाम घना स्मॉग छा रहा है, जिससे दिन की धूप कमजोर पड़ गई है। वहीं मध्य प्रदेश में ठंड ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों में कड़ाके की सर्दी से दो लोगों की मौत हो चुकी है।

शुक्रवार को भोपाल, इंदौर सहित सात जिलों में शीतलहर चल रही है। पचमढ़ी में इस सीजन का सबसे कम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नर्मदापुरम में विजिबिलिटी मात्र 500 मीटर रह गई।

एक नई अंतरराष्ट्रीय स्टडी में खुलासा हुआ है कि पिछले दशक (2015-2024) में भारत का औसत तापमान लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है।

भारत ने कॉप-30 के प्रमुख फैसलों का स्वागत किया

✷ वेबवार्ता. बेलेम (ब्राजील) ✷

भारत ने यहां आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-30 के समापन सत्र में कहा कि विकसित देशों को जलवायु वित्त से जुड़े अपने पुराने वादे अब पूरा करने होंगे और जलवायु न्याय और समानता को वैश्विक ढांचे का आधार बनाना होगा।

भारत ने साफ किया कि जिन देशों की जलवायु संकट पैदा करने में सबसे कम भूमिका है, उन पर बोझ नहीं डाला जा सकता।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, बयान में भारतीय पक्ष ने कॉप-30 की अध्यक्षता के समावेशी और संतुलित नेतृत्व की सराहना की। ग्लोबल गोल ऑन एडाप्टेशन में हुई प्रगति को विकासशील देशों की जरूरतों को मान्यता देने वाला अहम कदम बताया।

भारतीय प्रतिनिधि मंडल ने जलवायु वित्त पर अनुच्छेद 9.1 को आगे बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि 33 वर्ष पहले रियो में किए गए वादों को अब पूरा किया जाना चाहिए। भारत ने जस्ट ट्रांजिशन मैकेनिज्म की स्थापना को कॉप-30 का महत्वपूर्ण परिणाम बताया और उम्मीद जताई कि यह वैश्विक और राष्ट्रीय श्तर पर समानता व जलवायु न्याय को लागू करने में मदद करेगा। भारत ने एकतरफा व्यापार-प्रतिबंधात्मक जलवायु उपायों पर चर्चा का अवसर देने के लिए भी अध्यक्षता को धन्यवाद दिया। भारत ने कहा कि ऐसे उपाय विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं और समानता तथा साझा लेकिन भिन्न जिम्मेदारियों के सिद्धांतों के खिलाफ हैं।

चंदोंक रेलवे स्टेशन स्थित रेलवे क्रॉसिंग 495 बी पर अंडरपास की जगह बनेगा रोड ओवर ब्रिज

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷। चंदोक रेलवे स्टेशन पर मौजूद रेलवे क्रॉसिंग संख्या 495 बी पर अंडरपास की जगह रोड ओवर ब्रिज बनेगा। आदर्श नगर निवासी आरटीआई कार्यकर्ता मनोज शर्मा ने पूर्व में रेल मंत्रालय को भेजी एक शिकायत में चंदोक रेलवे स्टेशन पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 495 भी पर अंडर पास बनाए जाने की मांग रेल मंत्रालय की थी और बताया था कि नजीबाबाद लक्सर मार्ग स्थित चंदोक रेलवे स्टेशन पर मौजूद रेलवे क्रॉसिंग संख्या 495 बी जोकि सहायक मंडल अभियंता रुड़की के अधीन आता हैं उक्त मार्ग पर एक व्यशततम मार्ग है तथा आए दिन यहां पर जाम लगता रहता है गन्ने का सीजन शुरू हो चुका है और गन्ने के ट्रक भी बड़ी संख्या में जा रहे हैं और उक्त रेलवे क्रॉसिंग पर 24 घंटे में लगभग 120 ट्रेन अप और डाउन गुजरती हैं अत सुरक्षित आवागमन के लिए यहां पर आरओबी या अंडरपास का निर्माण बेहद जरूरी है। इसी परिपेक्ष में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में तैनात अपर मंडल रेल प्रबंधक मुरादाबाद परितोष गौतम ने पूर्व में इस संबंध में की गई एक शिकायत के बारे में लिखित में बताया कि आपको अवगत कराना है कि रेलवे बोर्ड की पावर में वर्ष 2026-27 के लिए लेवल कासिंग 495/बी पर आरओबी का कार्य प्रस्तावित है, स्वीकृति के पश्चात कार्य शीघ्र करा दिया जायेगा। मनरेगा में फर्जीवाड़े का आरोप, ग्रामीण ने जिलाधिकारी को दी शिकायत

मनरेगा में फर्जीवाड़े का आरोप, ग्रामीण ने डीएम को दी शिकायत

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। ग्राम कुरी वांगर के निवासी सोनू कुमार ने ग्राम पंचायत में मनरेगा योजनाओं में बड़े श्तर पर हो रहे फर्जीवाड़े का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी बिजनौर को शिकायत प्रार्थना–पत्र सौंपा है। प्रार्थी के अनुसार उसका मनरेगा जॉब कार्ड वर्ष 2008 में जारी हुआ था और वर्ष 2020 तक उसे नियमित रूप से मनरेगा भुगतान मिलता रहा। सोनू कुमार का आरोप है कि वर्ष 2020 में ग्राम पंचायत चुनाव के बाद नए प्रधान के पदभार संभालते ही उसका जॉब कार्ड बिना किसी कारण निष्क्रिय कर दिया गया, जिसके बाद से उसे किसी भी प्रकार की मजदूरी का भुगतान नहीं मिल रहा है। ग्रामीण ने आशंका जताई कि उसका नाम अभी भी मनरेगा की एक्टिव सूची में दर्ज है और उसकी मजदूरी किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर निकालकर हड़प की जा रही है। ग्रामीण ने जनसूचना अधिकार अधिनियम के तहत मनरेगा सूची व भुगतान विवरण की जानकारी माँगी, लेकिन ग्राम सचिव द्वारा उससे ₹4650 की माँग किए जाने और इसके बावजूद सूचना उपलब्ध न कराने का भी आरोप लगाया है। सोनू कुमार ने कहा कि ग्राम प्रधान और सचिव की मिलीभगत से पंचायत क्षेत्र में मनरेगा फंड का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया जा रहा है जिससे असली श्रमिकों के अधिकार छीने जा रहे हैं। ग्रामीण ने जिलाधिकारी से मनरेगा जॉब कार्ड धारकों का सत्यापन कराने, भुगतान अभिलेखों की जांच करवाने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत पत्र प्राप्त होने के बाद प्रशासनिक कार्रवाई की प्रतीक्षा की जा रही है।

दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान ने लाला केदारनाथ धर्मशाला में लगाया 188 वां निशुल्क चिकित्सा शिविर

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। सुसन्सकारित स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान ने 188 वां निशुल्क चिकित्सा शिविर सुधा स्वर भारती संस्था के सहयोग से लाला केदारनाथ धर्मशाला फल चौक पर लगाया। शिविर का उद्घाटन बॉलीवुड एक्टर ताहिर खान एवं प्रमुख व्यवसाई सुधीर अग्रवाल मुन्ना बाबू ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। दिनेश चंद नवीन जी पत्रकार संघ अध्यक्ष सचिन अग्रवाल क्षेत्रीय बार अध्यक्ष एडवोकेट आरके आर्य महेंद्र सलूजा विनीत जैन रोमियो मयूर अनिल कश्यप संयुक्त रूप से मौजूद रहे। शिविर में डॉ आदित्य अग्रवाल सर्जन ने 75 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया। जिसमे 3 दिन की निशुल्क दवाइयां वितरण की गयी। सभी जांचें नाम मात्र रुपए में की गई। शिविर में ''पॉलिथीन मुक्त अपना देश - प्रदेश 'अभियान के बारे में लोगों को अवगत कराकर कपड़े के बने थैले भी ₹10 सहयोग राशि लेकर वितरित किए गए। शिविर को सफल बनाने में हर्षित सौरभ आदित्य लवी कपिल अखिलेश जोगेंद्र हिमांशु साहिल कपिल अनुज नन्हे आनंद मोहित संकेत सौरभ आनंद आदि का योगदान सराहनीय रहा।

तमिलनाडु में स्टालिन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

डीएमके के साथ गठबंधन के लिए पैनल बनाया

चेन्नई , एजेंसी। द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन फिलहाल पहले की तरह ही मजबूत दिख रहा है, जिसने 2019 के बाद से तमिलनाडु में लगातार सभी चुनाव जीते हैं। एसपीए के सभी सहयोगी दल इस ताकत के बल पर 6-7 महीने बाद होने वाले 2026 विधानसभा चुनावों में जीत की हैट्रिक बनाने का पूरा भरोसा जता रहे हैं।

दूसरी ओर, मुख्य विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक ने भाजपा के साथ अपना चुनावी गठजोड़ फिर से शुरू कर लिया है, लेकिन वह अभी तक सत्तारूढ़ द्रमुक को कड़ी टक्कर देने वाला मजबूत मोर्चा नहीं बना पायी है। अन्नाद्रमुक पुराने सहयोगी पीएमके को वापस लाने की कोशिश कर रही है, जो संस्थापक एस. रामदॉस और उनके बेटे डॉ. अंबुमणि रामदॉस (दोनों अलग-अलग गुटों के नेता) के बीच नेतृत्व की लड़ाई के कारण दो फाड़ हो चुकी है। दिवंगत अभिनेता विजयकांत की डीएमडीके भी कमजोर पड़ चुकी है। इन सबके बीच द्रमुक के नेतृत्व वाले एसपीए को 2026 में फिर से जीत का पूरा भरोसा है। द्रमुक ने पहले ही बढ़त ले ली है। पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन सभी निर्वाचन क्षेत्रों के पार्टी पदाधिकारियों के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा के लिए एक-एक करके बैठकें कर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी सहयोगी कांग्रेस भी पीछे नहीं रही। कांग्रेस ने शनिवार गठबंधन दलों के साथ बातचीत के लिए पांच सदस्यीय पैनल बनाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विजय की टीवीके से गुप्त रूप से संपर्क कर रही है। विजय ने पहले ही घोषणा कर दी है कि उनकी पार्टी गठबंधन के लिए तैयार है और यदि 2026 में उनकी सरकार बनी तो सत्ता में हिस्सेदारी भी देने को तैयार हैं।

तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चडनकर की अगुआई में यह समिति गठित की है। इसमें तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुन्थगई, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सूरज एम.एन. हेगड़े और सुश्री निवेदिता अल्वा और कांग्रेस विधायक दल नेता एस. राजेश कुमार अन्य सदस्य हैं। यह समिति ऐसे समय बनाई गई है जब यह अटकलें जोरों पर हैं कि कांग्रेस अभिनेता विजय की टीवीके से गुप्त रूप से संपर्क कर रही है। विजय ने पहले ही घोषणा कर दी है कि उनकी पार्टी गठबंधन के लिए तैयार है और यदि 2026 में उनकी सरकार बनी तो सत्ता में हिस्सेदारी भी देने को तैयार हैं। हालांकि, तमिलनाडु कांग्रेस के नेताओं ने इन खबरों का खंडन किया है और यह भी स्पष्ट किया है कि विजय ने राहुल गांधी से कोई बात नहीं की। हाल के दिनों में कांग्रेस-टीवीके संभावित गठजोड़ की अटकलों ने जोर पकड़ा था, जिसके बाद सेल्वापेरुन्थगई ने सफाई दी कि पार्टी तमिलनाडु में द्रमुक के नेतृत्व वाले एसपीए के साथ पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

फिर अस्पताल में हुई रस्में

शादी के दिन दुल्हन का एक्सीडेंट

तिरूवंतपुरम, एजेंसी। केरल से एक दिल छूने वाली खबर सामने आई है। वहां आस-पास मौजूद जिस किसी भी इंसान ने यह दृश्य देखा या फिर इसकी खबर सुनी उन्हें शाहिद कपूर और अमृता राव अभिनीत विवाह फिल्म की याद आ गई। दरअसल, यहां पर एक दुल्हन अपनी शादी के दिन ही एक्सीडेंट का शिकार हो गई। इसमें उसकी रीढ़ की हड्डी में चोट आई और उसे अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। जब यह बात लड़के वालों को पता चली तो दूल्हे ने शादी रद्द करने के बजाय उसी शुभ मुहूर्त पर शादी करने का फैसला किया। इसके लिए लड़की वाले भी राजी हो गए और अस्पताल के इमरजेंसी वॉर्ड में ही उन दोनों ने शादी कर ली। रिपोर्ट के मुताबिक यह अनोखी शादी कोच्चि के लेकशोर हॉस्पिटल में हुई। यहां पर अलप्पुझा के कोम्माड़ी की रहने वाली अवनी की शादी थुंबोली के शेरॉन से शुक्रवार को होनी थी। लेकिन शाम को ब्राइडल मेकअप के लिए जाते समय रास्ते में ही अवनी का एक्सीडेंट हो गया। इसके बाद उसे तुरंत ही कोट्टायम मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। लेकिन रीढ़ में ज्यादा चोट लगने की वजह से उसे स्पेशल ट्रीटमेंट के लिए एर्नाकुलम के लेकशायर हॉस्पिटल में भर्ती कर दिया गया। इसी बीच शेरॉन और उसका परिवार भी हॉस्पिटल पहुंच गया।

शादी का मुहूर्त दोपहर 12.15 से 12.30 के बीच था। दोनों ही परिवारों ने आपसी सहमति पर उसी मुहूर्त पर शादी करने का फैसला लिया। इसके बाद दोनों परिवारों ने डॉक्टरों से इसके लिए अनुमति मांगी और उन्हें अनुमति मिल गई। हॉस्पिटल स्टाफ ने भी परिवारों की मदद करते हुए तुरंत ही शादी के लिए वहां जगह दी और सजावट शुरु कर दी। हालांकि, दुल्हन को ज्यादा तकलीफ न हो इसके लिए दूल्हा खुद ही इमरजेंसी वार्ड में थाली लेकर आया और शादी की सारी रस्में हुई। दुल्हन की हालात पर अपडेट देते हुए न्यूरो सर्जन विभाग के प्रमुख डॉक्टर सुधीश करुणाकरण ने कहा अवनी की रीढ़ का इलाज जारी है। जल्दी ही उनकी सर्जरी की जाएगी। अस्पताल में हुई इस शादी की बात सुनकर आसपास के लोगों ने भी परिवार के साथ अपनी सहानुभूति जताई।

सारी सीटें जीतने का दावा नहीं, सीमा पता है; विधानसभा चुनाव से पहले असम सीएम हिमंत

गोवाहाटी, एजेंसी। भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम में अगले साल विधानसभा का चुनाव होने वाला है। ऐसे में सत्ता में बैठी भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने कमर कसना शुरू कर दिया है। असम की बीजेपी इकाई ने शुक्रवार को फैसला किया कि वह 2026 का विधानसभा चुनाव अपने सहयोगियों के साथ ही मिलकर लड़ेगी। विधानसभा की कुल 126 सीटों में से भाजपा का लक्ष्य 103 सीटों पर जीत हासिल करना होगा। बाकी सीटें सहयोगी दलों के लिए होंगी। असम बीजेपी की कोर कमेटी में लिए गए इस फैसले की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि पार्टी का विकास का मॉडल काफी मजबूत है। इसकी वजह से पार्टी राज्य में आसानी से चुनाव जीत जाएगी। उन्होंने कहा कि बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली की जीत के बाद अब बीजेपी असम में भी जीत दर्ज करेगी। हालांकि, सरमा ने कहा कि भले ही भाजपा 103 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, लेकिन वह सभी सीटों पर जीत का दावा नहीं करती है। उन्होंने कहा, हमारे कदम 103 सीटों पर जरूर होंगे।

तापमान में आएगी और गिरावट

कड़ाके की ठंड दे रही दस्तक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई हिस्सों में ठंड बढ़ती जा रही है। इस बीच, बारिश के भी आसार नजर आ रहे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, चक्रवाती सर्कुलेशन के प्रभाव से एक निम्न दाब क्षेत्र बन गया है। यह सिस्टम उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए 24 नवंबर तक बंगाल की खाड़ी पर अवसाद में बदलेगा। अगले 48 घंटों में इसके और मजबूत होने की संभावना है। इसके प्रभाव से अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 27 नवंबर तक भारी बारिश होने की संभावना है, जिसमें 24 और 25 नवंबर को कुछ स्थानों पर अति भारी बारिश हो सकती है। तमिलनाडु में 23 से 25 नवंबर, केरल में 23 से 26 नवंबर और लक्षद्वीप में 23 नवंबर को भारी बारिश की चेतावनी है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, लक्षद्वीप और दक्षिण कर्नाटक के कई हिस्सों में 26 नवंबर तक गरज-चमक के साथ बारिश और आंधी की संभावना है। वहीं, उत्तर भारत में ठंड बढ़ रही है। हुआ है। मैदानी इलाकों में सबसे कम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस मध्य प्रदेश के राजगढ़ में दर्ज किया गया। अगले चार दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की और गिरावट होगी। मध्य व पश्चिम भारत में अगले दो दिनों में 2 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। उत्तर-पूर्व भारत और उत्तर प्रदेश में अगले पांच दिनों तक सुबह-शाम हल्के से मध्यम कोहरे की चपेट में

रहेंगे। इसे देखते हुए मौसम विभाग की ओर से सलाह दी गई है कि सुबह और शाम को यात्रा करते समय अतिरिक्त सावधानी बरती जाए। मुंबई में सुबह के वक्त ठंडक महसूस होने लगी है। शनिवार को तापमान 21 डिग्री सेंटीग्रेड से थोड़ा नीचे चला गया। नवंबर की आम गर्मी में यह एक ताजा बदलाव था। साफ आसमान और हल्की हवाओं ने सर्दियों से पहले के हल्के एहसास को और बढ़ा दिया। सुबह जल्दी उठने वालों को सर्दियों जैसा महसूस हुआ।

देश के हर कोने में बम लगाने का था इरादा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लाल किले के पास हुए विस्फोट के लिए पाकिस्तान पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश सीधी जंग में भारत को हरा नहीं सकता, इसलिए वह आतंकी हमले करवा रहा है। फडणवीस ने कहा, पाकिस्तान को पता है कि वह खुले युद्ध में भारत को हरा नहीं सकता, इसलिए पहलगाम में आतंकी हमला और दिल्ली में हालिया विस्फोट करवाया गया। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों की तारीफ करते हुए कहा कि व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया, जिसमें 3000 किलोग्राम विस्फोटक बरामद हुआ था। इसका इस्तेमाल मुंबई और देश के अन्य शहरों में आतंकी हमलों के लिए किया जाना था। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, मुझे खुशी है कि आज हमारे पास एक बदला हुआ भारत है। भारत ने इन चीजों को पहले ही भांप लिया और ऑपरेशन किए। उनकी मंशा देश के हर कोने में बम धमाके करने की थी।

आपके पास वोट, मेरे पास पैसा; चुनाव से पहले डिप्टी सीएम अजित पवार की वोटरों को नसीहत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने आगामी चुनाव से पहले मतदाताओं को नसीहत दी है। पुणे के मालेगांव में वोटरों को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि अगर वह (वोटर) उनके उम्मीदवारों को चुनते हैं, तो वह यह सुनिश्चित करेंगे कि शहर में पैसे की किसी भी तरह की कोई कमी न हो।

इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर आप लोगों(मतदाताओं) ने उनके उम्मीदवार को नहीं चुना तो वह पैसा नहीं भेजेंगे।

महाराष्ट्र सरकार में वित्त मंत्रालय का हिसाब-किताब संभाल रहे राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष पवार ने शुक्रवार को बारामती तहसील में यह बात कही। उन्होंने कहा, अगर आप राकांपा के सभी 18 उम्मीदवारों को चुनते हैं, तो मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि धन की कोई कमी न हो। अगर आप सभी 18 उम्मीदवारों को चुनते हैं, तो मैं अपना वादा पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। लेकिन, अगर आप मना करोगे तो मैं भी मना कर दूंगा। आपके पास वोट हैं, मेरे पास विकास कार्य के लिए पैसा है।'' उपमुख्यमंत्री ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, केंद्र और राज्य सरकार की बहुत सी योजनाएँ हैं। प्रधानमंत्री, राज्य के मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने मिलकर कई योजनाएँ बनाई हैं। हम सब मिलकर इन योजनाओं को सही तरीके से लागू करें, तो हम मालेगाँव का अच्छा विकास कर सकते हैं और जनता से किए गए सभी वादों को पूरा कर सकते हैं। हर आम आदमी मेरे साथ है। बारामती के बाद अब असली परीक्षा मालेगाँव के लोगों की है। जो कुछ पहले हुआ, वह गंगा में बहते पानी की तरह बीत गया। अब हम एक नई सुबह के साथ नई शुरुआत करेंगेज अगर आप हम पर भरोसा करेंगे, तो हम उस भरोसे को कभी टूटने नहीं देंगे। डिप्टी सीएम की इस टिप्पणी की विपक्षी दलों ने कड़ी आलोचना की है। शिवसेना (उबाठा) के नेता अंबादास दानवे ने अजित पवार पर मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया है। दानवे ने सवाल किया, '' यह धनराशि आम लोगों द्वारा दिए गए करों से दी जाती है, न कि अजित पवार के घर से। यदि पवार जैसे नेता मतदाताओं को धमका रहे हैं तो निर्वाचन आयोग क्या कर रहा है?'' आपको बता दें, नगर पंचायतों के चुनाव दो दिसंबर को होने हैं। अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थित पैनल ने मालेगांव में आगामी चुनाव के लिए गठबंधन किया है।

बीएमसी चुनाव से पहले विपक्ष में दरार? संजय राउत ने कांग्रेस पर कसा हाई कमान वाला तंज

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में आगामी क्लस्ट चुनाव के पहले विपक्षी दलों में दरार देखने को मिल रही है। राज ठाकरे की एमएनएस के साथ होने न होने को लेकर चल रही ऊहापोह पर संजय राउत ने अपनी राय दी है। शिवसेना उद्धव गुट के नेता ने एमएनएस के गठबंधन में शामिल होने को लेकर संकेत दिया कि अगर दोनों पार्टियां साथ आने के बारे में सोचती हैं, तो उस पर कांग्रेस की राय मायने नहीं रखती है।

सोशल मीडिया पोस्ट में कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई को हाई कमान से मिलने वाले आदेश की प्रक्रिया पर तंज कसते हुए राउत ने कहा कांग्रेस को जो फैसला करना हो, वह उनका व्यक्तिगत निर्णय होगा। शिवसेना और एमएनएस ऐसे में किसी की अनुमति का इंतजार नहीं करते हैं। राउत ने लिखा, शिवसेना और एमएनएस पहले भी साथ आ चुके हैं, यह जनता की इच्छा है। इसके लिए किसी के आदेश या अनुमति की जरूरत नहीं। शरद पवार और वाम पार्टियां भी साथ हैं। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को साथ

लाने की कवायद और कांग्रेस के अलग रुख के बीच शरद पवार की एनसीपी ने भाजपा के खिलाफ सभी को एकजुट रहने का संकेत दिया है। मुंबई में पार्टी की बैठक में पवार ने नेताओं और कार्यकर्ताओं के सामने यह इच्छा जताई की भाजपा के खिलाफ सभी को एक मजबूत संयुक्त मोर्चा बनाकर चुनाव लड़ना चाहिए। आपको बता दें बीएमसी चुनाव के लिए शरद पवार की एनसीपी और उद्धव की शिवसेना दोनों ही गठबंधन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। ऐसा माना जा रहा है दोनों पार्टियां एमएनएस के आने पर उसे स्वीकार करने के लिए भी तैयार हैं।

स्वास्थ्य घोटाला : राज्य महिला आयोग के औचक निरीक्षण में CMO मुजफ्फरनगर रंगे हाथों पकड़े गए

✷ महेश चंद शर्मा. बिजनौर ✷

रविवार दोपहर चांदपुर में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया, जब उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य संगीता जैन ने चांदपुर स्थित नव जीवन हॉस्पिटल में औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मुजफ्फरनगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) सुनील तेवतिया कथित रूप से अवैध रूप से निजी क्लीनिक चलाते हुए रंगे हाथों पकड़े गए।

जैसे ही संगीता जैन दोपहर 1:15 बजे अस्पताल पहुँचीं और तेवतिया के केबिन में दाखिल हुईं, उसी समय वह पिछले दरवाजे से भागते हुए शौचालय में जाकर छिप गए। पुलिस ने करीब पाँच मिनट की तलाश के बाद उन्हें बाहर निकाला। संगीता जैन ने बताया कि उन्हें लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि CMO सुनील तेवतिया चांदपुर में अवैध निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं और प्रत्येक मरीज से ₹300 की वसूली की जा रही है। दो महीने पहले भी उन्हें ऐसा न करने की चेतावनी दी गई थी, मगर इसके बावजूद वह पुनः अवैध प्रैक्टिस करते मिले।

मौके पर मौजूद तेवतिया की पत्नी ने दावा किया कि वह बिजनौर सिर्फ उनसे मिलने आए थे, लेकिन संगीता जैन के अनुसार निरीक्षण के दौरान उनकी ओर से भी दुर्व्यवहार किया गया।

शिकायत पत्र में गंभीर आरोप

संगीता जैन ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर को लिखित शिकायत सौंपते हुए कहा कि निरीक्षण में CMO सुनील तेवतिया अनधिकृत निजी प्रैक्टिस करते पाए गए।

मरीज को देखते हुए रंगे हाथ पकड़े गए। शौचालय में छिपकर बचने की कोशिश की,

बाद में पुलिस द्वारा बाहर निकाला गया।

मरीजों से ₹300 शुल्क लेना नियम-विरुद्ध है। उनकी पत्नी द्वारा भी अभद्र व्यवहार किया गया। उन्होंने पत्र में मांग की है कि CMO मुजफ्फरनगर डॉ. सुनील तेवतिया के खिलाफ विभागीय जांच कराते हुए कठोर कार्रवाई की जाए।

इस कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब एक वरिष्ठ CMO ही नियमों को तोड़ते हुए पकड़ा जाए, तो आम नागरिकों के स्वास्थ्य की गारंटी कौन देगा?

उधर धामपुर में भी सरकारी डॉक्टरों की मनमानी चरम पर

उधर धामपुर नगर और आसपास के गांवों में सरकारी डॉक्टर व सरकारी महिला डॉक्टर अपने निजी नर्सिंग होम तथा जच्चा-बच्चा केंद्र खुलेआम संचालित कर रहे हैं, जहाँ छोटे-बड़े ऑपरेशन तक हो रहे हैं। यह बात किसी से छुपी नहीं है।

इसी तरह आयुष विभाग के कई सरकारी चिकित्सक और महिला चिकित्सक भी खुली चेतावनी के बावजूद धामपुर नगर में अवैध रूप से अपने निजी नर्सिंग होम चला रहे हैं और निर्भीक होकर प्रैक्टिस कर रहे हैं।

यदि राज्य महिला आयोग की सदस्य संगीता जैन धामपुर में भी इसी प्रकार योजनाबद्ध तरीके से औचक निरीक्षण करें, तो कई सरकारी डॉक्टर और महिला डॉक्टर रंगे हाथों पकड़े जाने तय हैं।

शादी समारोह में चढ़त के दौरान मारपीट,पांच पर केस

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के गांव सौंदा में शादी समारोह में चढ़त के दौरान हुए विवाद में तीन युवकों को बेरहमी से पीटने से मामला सामने आया है। पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मेरठ की बह्मपुरी कॉलोनी निवासी गुरमीत सिंह 16 नवंबर को एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए निवाड़ी थानाक्षेत्र के गांव सौंदा आए थे। बताया जा रहा है कि चढ़त के दौरान मारपीट हो गई। आरोप है कि दबंगों ने गुरमीत, दीपांशु, सोनी के साथ जमकर मारपीट की। इसमें गुरमीत के नाक पर गंभीर चोट आई है। इस संबंध में पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। सीओ मोदीनगर ने बताया कि अंकित, गोलू, विकास, लवकुश और पदम निवासी जाटव गेट मेरठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

ऑनलाइन फोन लेने के चक्कर में दो लाख गंवाए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में रहने वाले युवक ने आईफोन की ऑनलाइन खरीदारी करने के चक्कर में दो लाख रुपये गंवा दिए। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। तिगरी गोल चक्कर स्थित शगुन फार्म हाउस निवासी जसवीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा आशु कुमार अपना इंस्टाग्राम अकाउंट चला रहा था। इसी दौरान सुदर्शन गैजेट स्टोर नाम के इकाउंट पर आईफोन का विज्ञापन देखा। इसके बाद बेटे ने विज्ञापन पर प्रतिक्रिया देनी शुरू की। जसवीर सिंह का कहना है कि विज्ञापन में आईफोन के आकर्षक दाम दिखाए गए थे। इसके बाद उनके बेटे ने विज्ञापन में दिए व्हाट्सऐप नंबर से बातचीत शुरू कर दी। आरोप है कि जालसाजों ने सबसे पहले रजिस्ट्रेशन शुल्क के नाम पर एक हजार रुपये ट्रांसफर कराए और फिर ऑर्डर पुष्ट करने के नाम पर छह हजार 200 रुपये और मांगे गए। जसवीर सिंह का कहना है कि कुछ ही देर बाद एक अन्य नंबर से बिल जनरेट होने के नाम पर एक विज्ञापन लिंक भेजा गया और छह अंकों का एक कोड साझा करने को कहा गया। आरोप है कि कोड साझा करते ही खाते से रकम कट गई। इसके बाद ठगों ने विभिन्न तरीकों से डरा-धमकाकर 1.90 लाख ट्रांसफर करा लिए।

पुलिस ने विभिन्न आरोपों में अभियुक्त को किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। थाना के ग्राम अफजलपुर पुलिस ने आज एक को विभिन्न आरोपों में गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती रंजना सिंह पुत्री विजेंद्र सिंह निवासी मकान नंबर सी 18 बृजेश नगर पेपर मिल रोड सहारनपुर द्वारा द्वारा थाना अफजलगढ़ पर तहरीर देकर अवगत कराया था कि अभियुक्त प्रमोद कुमार पुत्र श्रीपाल सिंह उर्फ भोला सिंह निवासी ग्राम शिवपुरा थाना अफजलगढ़ जनपद बिजनौर हाल निवासी ग्राम खुशहालपुर थाना अफजलगढ़ द्वारा अपने पुत्र योगेंद्र कुमार को मिथ्याभाषी इंजीनियर बताकर षडयंत्र पूर्वक उसके साथ शादी कराई गई थी अभियुक्तगण प्रमोद कुमार योगेंद्र कुमार,तथा भूपेंद्र कुमार द्वारा उससे दहेज में पैसे की मांग करते हुए गाली गलौच वह जान से मारने की नीयत से मारपीट की गई है। तथा जान से मारने की धमकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल की गई। तेहरीर के आधार पर थाना अफजलगढ़ पर मुकदमा अपराध संख्या 10 / 2025 अंतर्गत धारा 420, 498 ए, 323, 504, 506, 34, 307 भारतीय दंड विधान व 3/4 दहेज अधिनियम तथा धारा 67 आईटी एक्ट पंजीकृत किया गया। 22 नवंबर को थाना अफजलगढ़ पुलिस द्वारा उपरोक्त अभियोग से संबन्धित वांछित अभियुक्त प्रमोद कुमार पुत्र श्रीपाल सिंह उर्फ भोला सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शिवाला कला पुलिस ने ग्राम शादीपुर मिलक में चलाया जागरूकता अभियान

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷। शिवाला कला थाना पुलिस द्वारा ग्राम शादीपुर मिलक में मिशन शक्ति, साइबर अपराध व यातायात नियमों को लेकर एक जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता थाना प्रभारी निरीक्षक शिवाला कला ने की। उन्होंने ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचने के तरीके, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया के गलत प्रयोग और इसके कानूनी परिणामों के बारे में विश्तृत जानकारी दी। थाना प्रभारी ने मिशन शक्ति के तहत महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा से जुड़ी हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181, और 1098 की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इन नंबरों पर संपर्क कर मदद प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए पुलिस द्वारा समय-समय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। यातायात नियमों की जानकारी देते हुए उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, तेज गति तथा ओवरलोडिंग से होने वाले खतरे और कानूनी प्रावधानों की विश्तार से जानकारी दी। साथ ही, नाबालिग बच्चों द्वारा वाहन चलाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग की। थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया कि पुलिस द्वारा आगे भी ऐसे जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे, जिससे समाज में सुरक्षा, कानून के प्रति सम्मान और जागरूकता को बढ़ावा मिल सके।

शादी का झांसा देकर अवैध संबंध बनाने वाले सिपाही पर FIR दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो कानून और व्यवस्था पर उठने वाले सवाल खुद-ब-खुद तेज हो जाते हैं।

शादी का झांसा देकर संबंध बनाने और बाद में मुकरने के गंभीर आरोपों ने पुलिस विभाग की अनुशासनहीनता को फिर कटघरे में खड़ा कर दिया है। स्योहारा क्षेत्र की एक युवती की तहरीर पर पुलिस लाइन रामपुर में तैनात आरक्षी शुभम कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

वर्दी में छिपे ऐसे चरित्रहीन चेहरों ने साबित कर दिया है कि जनता जिन पर भरोसा करती है, वही कभी-कभी उसके सबसे बड़े अत्याचारी बन बैठते हैं। स्योहारा थाना क्षेत्र की रहने वाली युवती का कहना है कि दोश्ती सजातीय युवक शुभम से हुई थी। दोश्ती केसहारे आरोपी ने उसे शादी का भरोसा दिलाकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। 23 अक्टूबर को भी वह युवती को नगीना स्थित एक होटल में ले गया और संबंध बनाए।

आरोप है कि अब आरोपी न केवल शादी से साफ इन्कार कर रहा है, बल्कि युवती को जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। धमकी देकर पीड़िता को चुप कराने की ये कोशिशें बताती हैं कि आरोपी अपनी वर्दी के दम पर खुद को कानून से ऊपर समझने लगा था।

युवती की शिकायत पर पुलिस ने आरक्षी शुभम के खिलाफग संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

उसकी वर्तमान तैनाती रामपुर बताई जा रही है। विभाग पर लगातार सवाल उठ रहे हैं कि आखिर वर्दी में छिपे ऐसे लोगों पर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं होती।

क्या पुलिस विभाग के भीतर चरित्र और जवाबदेही की जांच सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई है। उधर सीओ अभय कुमार पांडेय ने कहा कि युवती की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अब देखने वाली बात यह होगी कि विभाग इस मामले को कितनी तेजी और पारदर्शिता से आगे बढ़ाता है, क्योंकि जनता अब यही चाहती है कि वर्दी का दुरुपयोग करने वाले ऐसे भक्षक सख्त से सख्त सजा पाएं।

सपा विधायक सभासदों की बैठक कर SIR फॉर्म भरवा चर्चा की

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

विधायक नगीना पूर्व मंत्री माननीय मनोज पारस ने नगर पालिका परिषद नगीना के सभी वार्ड के सभासदों को अपने कैंप कार्यालय पर बुलाकर SIR पर चर्चा की एवं चुनाव आयोग द्वारा दिए गए एसआईआर फॉर्म भरने की संक्षिप्त जानकारी दी। अपने परिवार के साथ साथ समश्त मोहल्ले के वोट बनवाने के लिए प्रेरित किया।

इस मौके पर हाजी रोशन पूर्व प्रत्याशी नगर पालिका परिषद नगीना, समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष नगीना काजी सुहैल इकबाल, मौ. राशिद साहब, मौ. आफताब मौ. शरिक साहब, आरिव राइन, बदर मुनीम, मौ. तालिब, मौ. शानू, मौ. उस्मान मौ. मकसूद साहब, मौहम्मद अहमद साहब, राकेश कुमार, जयप्रकाश चंदेल, हनीफ मंसूरी, अनीस अहमद उर्फ माइकल, महताब कुरैशी, एडवोकेट दिनेश कुमार, आसिफ भाई, नफीस अहमद, इमरान दादा एडवोकेट, नईम अहमद नौशाद, अप्पा, मास्टर धर्मवीर सिंह, गुरुजी आदि मौजूद रहे।

स्योहारा में सचल न्यायालय का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

तहसील श्तर पर सचल न्यायालय का आयोजन कर मामले का निश्तारण किया जायेगा, उच्च न्यायालय इलाहाबाद के दिशा निर्देश पर जनपद न्यायाधीश के नेतृत्व में ग्राम न्यायालय धामपुर द्वारा स्योहारा में सचल न्यायालय का आयोजन किया गया। दो साल तक की अवधि वाले अभियोग, हर्जे खर्चे व एक्सिडेंटल अभियोग पर सुनवाई कर निश्तारण किया गया।

शुक्रवार को नगर पालिका सभागार में साढे ग्यारह बजे से सचल न्यायालय का आयोजन किया। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश बिजनौर के नेतृत्व एंव मार्गदर्शन में ग्राम न्यायालय धामपुर के द्वारा नगर पालिका सभागार में सचल न्यायालय का आयोजन किया। इस दौरान 46 वादों का मौके निश्तारण पर किया गया, 5260 की जुर्माना राशि वसूली गई। जिसमें 11 अपराधिक व 3 परिवारिक मामलों का निश्तारण सुलह समझोते के आधार पर मौके पर किया गया। ग्राम न्यायालय धामपुर के पीठासीन अधिकारी प्रधुम्न कुमार मिश्र ने बताया गया कि त्वरित सुलभ एंव सश्ता न्याय प्रदान करने के लिये समय समय पर तहसील धामपुर के विभिन्न क्षेत्रों में सचल न्यायालय का संचालन होता रहेगा।

स्योहारा क्षेत्र अन्तर्गत आने वाले ग्रामों के वादों का निश्तारण किया गया। इस दौरान पेशकार सचिन कुमार, आशु लिपिक मंजू चौहान, लिपिक वर्षा चौहान, एडीजीसी परवेन्द्र कुमार, दीपक कुमार अधिवक्ता अनस सईद, सुमित, आयुष कौशिक, कृष्ण गोपाल अग्रवाल, मोहम्मद अदनान थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार आदि मौजूद रहे।

चीनी मिल ने 10 दिनों में किया 33 करोड़ का भुगतान

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

अवध चीनी मिल ने गन्ना किसानों को बड़ी राहत देते हुए 6 नवंबर से 15 नवंबर 2025 तक की गन्ना खरीद के सापेक्ष 33.06 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया है। पेराई सत्र की शुरुआत के साथ ही मिल द्वारा तेजी से भुगतान किए जाने को किसानों ने सराहा है।

स्योहारा अवध चीनी मिल में पेराई सत्र 7 नवंबर 2025 से विधिवत रूप से शुरू हो गया है। मिल के अधिशासी अध्यक्ष ने बताया कि 6 नवंबर से वाह्य क्रय केंद्रों पर गन्ना खरीद आरंभ कर दी गई थी, जबकि 7 नवंबर से मिल गेट पर गन्ना क्रय शुरू होने के साथ ही पेराई कार्य का शुभारंभ हुआ।

चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष सुखबीर सिंह ने बताया कि 6 से 15 नवंबर के बीच हुई गन्ना आपूर्ति के आधार पर 10 दिनों का कुल 33.06 करोड़ रुपए का भुगतान किसानों के खातों में भेज दिया गया है। उन्होंने आश्वश्त किया कि भविष्य में भी गन्ना मूल्य भुगतान इसी तीव्र गति से जारी रहेगा। उपाध्यक्ष (गन्ना) प्रमोद कुमार ने किसानों से अपील की कि सभी किसान मिल गेट और वाह्य क्रय केंद्रों पर केवल साफ–सुथरा, स्वच्छ और ताजा गन्ना ही आपूर्ति करें।

साथ ही समिति से पर्ची प्राप्त होने के बाद ही गन्ने की छिलाई करने का अनुरोध किया। तेजी से भुगतान और पारदर्शी खरीद प्रक्रिया ने किसानों में उत्साह का संचार किया है, वहीं मिल प्रबंधन की सक्रियता से पेराई सत्र के सुचारू संचालन की उम्मीदें मजबूत हुई हैं।

नवजात शव को दफनाने पहुंचे तो कब्र में सोते हुए मिला युवक

✷ एनसीआर टुडे. शेरकोट ✷

नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार गुरुवार की रात एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। ग्राम मुश्तफापुर तैय्यब के कब्रिश्तान में एक नशे में धुत्त युवक पुरानी धंसी हुई कब्र के अंदर सोता हुआ मिला। इस दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

रात शुक्रवार करीब 10 बजे हुई, जब गांव में एक नवजात बच्चे की मौत के बाद परिजन उसे दफनाने कब्रिश्तान पहुंचे थे। दफन की तैयारी के दौरान कुछ ग्रामीणों की नजर पास की एक पुरानी कब्र पर पड़ी।

मोबाइल की टॉर्च से देखने पर उन्हें एक युवक बिना शर्ट के कब्र के अंदर बेसुध पड़ा मिला।

ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने ग्रामीणों की मदद से युवक को कब्र से बाहर निकाला। पूछताछ में युवक की पहचान मोहल्ला नौंधना निवासी के रूप में हुई। वह नशे का आदी बताया गया, जो अक्सर नशे की हालत में भटकता रहता है।

पुलिस ने युवक को समझा-बुझाकर उसके घर भेज दिया। अंधेरे में कब्र के अंदर नशे की हालत में सोए मिले युवक की यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

ग्रेट इंडियन एकेडमी में वार्षिक सांस्कृतिक समारोह "मंच तंत्र 2025" का भव्य आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

ग्रेट इंडियन एकेडमी, झालू में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी "मंच तंत्र 2025" भव्य वार्षिक सांस्कृतिक समारोह का अत्यंत उत्साहपूर्वक और सृजनात्मक ढंग से आयोजन किया गया। विद्यालय प्रांगण रंग–बिरंगी सजावट, मनमोहक सांस्कृतिक प्रश्तुतियों और तालियों की गूंज से सराबोर हो उठा।

कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी कला, संस्कृति, परंपरा, अनुशासन, नृत्य-कौशल, अभिनय और संगीत के अद्भुत संगम का प्रदर्शन रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्य शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष डॉ निशांत यादव , अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी राहुल चौधरी, चेयरमैन लोकेंद्र चौधरी, यूनिवर्सल विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागी विद्यालय प्रबंधक महोदय गौरव डाबरा, प्रधानाचार्य मुकुल शर्मा, उप- प्रधानाचार्या श्रीमती दीक्षा डाबरा ने शिक्षकगण तथा आगन्तुक अभिभावकों की उपस्थिति में पारंपरिक दीप प्रज्वलन से किया गया।

सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा माँ सरस्वती की वंदना करके शिक्षा और कला की देवी से आशीर्वाद की कामना की। मधुर संगीत ने दर्शकों के मन को आनंदित कर दिया। माता पिता प्रेम इस भावप्रवण प्रश्तुति में नन्हे नन्हे छात्र-छात्राओं ने माँ–बच्चे के पवित्र संबंध को नृत्य व अभिनय के माध्यम से बेहद प्रभावी ढंग से प्रश्तुत किया। अकेडमी की उपलब्धियों को बताते हुए आयुष अग्रवाल ने आए हुए अभिभावकों का प्रेरणादायी शब्दों से अभिवादन किया।

वही कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए विद्यालय की कक्षा 6 से कक्षा 8 तक की छात्राओं ने रंगीन परिधानों परिधान पहनकर ऊर्जावान समूह नृत्य प्रश्तुत कर कार्यक्रम में जोश भर दिया। ताल–लय और एकरूपता अद्वितीय थी।

तत्पश्चात नाटक "ध्रुवस्वामिन" के माध्यम से नारी के शक्ति से धर्म विजय का संदेश दिया गया। यह प्रश्तुति बच्चों की अभिव्यक्ति क्षमता, मंच कौशल और सांस्कृतिक ज्ञान का उत्कृष्ट उदाहरण रही। कक्षा तीन से कक्षा 8 तक की छात्राओं ने ईश्वर वंदना गाकर अपनी मधुर आवाज़ से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

संगीत की सुर–लहरियों ने कार्यक्रम में एक नया उत्साह भरा। विद्यालय के यूकेजी (UKG) के नन्हे मुन्ने छात्र-छात्राओं ने दक्षिण भारत के नृत्य से सभी के सम्मुख प्रश्तुत सभी आए हुए अभिभावकों को तालियां बजाने को मजबूर कर दिया ।यह प्रश्तुति ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरी हुई थी। "बाल-गोपाल" की बाल लीलाओं, रास और कृष्ण–भक्ति को दर्शाते हुए कक्षा एक से एक कक्षा 5 तक के छात्र-छात्राओं ने नाटिका प्रश्तुत दर्शकों के मन में भक्ति भाव भर दिया। बच्चों के अभिनय ने मानो कृष्ण कथा को जीवंत कर दिया।

विद्यालय की कक्षा 9 की छात्रा शिफा व कक्षा 5 की सफिया ने अपने प्रेरक विचारों के साथ शिक्षा और अनुशासन के महत्त्व पर सुंदर भाषण दिया। विद्यालय के कक्षा एक से एक कक्षा पांच तक के छात्र-छात्राओं ने नाटिका "गुरु दक्षिणा" से गुरु–शिष्य संबंध की गरिमा और भारतीय परंपरा की महानता को प्रभावी रूप से दर्शाया।

कार्यक्रम को और भी सुंदर बनाने के लिए विद्यालय के नर्सरी कक्षा के नन्हे मुन्ने छात्र-छात्राओ ने भारत की विविध संस्कृति को दर्शाते हुए उन्हें की संस्कृति के परिधान पहनकर बच्चों ने रैंप वॉक किया।

दर्शक इस सांस्कृतिक विविधता से अभिभूत हो उठे। बच्चों की मासूम मुस्कान और आत्मविश्वास से भरे कदमों ने पूरे मंच का माहौल खुशनुमा बना दिया। किसी ने राजस्थानी लहंगा-चुनरी पहनी थी तो कोई पंजाबी परंपरागत पोशाक में झूमता नजर आया। दक्षिण भारतीय, बंगाली, गुजराती और मराठी वेशभूषा में सजे बच्चे भारत की विविधता का सुंदर संदेश दे रहे थे। रंग-बिरंगे कपड़ों और आकर्षक आभूषणों ने बच्चों की सुंदरता में चार चांद लगा दिए।

बच्चों ने मंच पर जिस सहजता से कदम बढ़ाए, वह उनके आत्मविश्वास का प्रमाण था। यह कार्यक्रम सभी के लिए प्रेरणादायक रहा, जिसने सांस्कृतिक सौहार्द और परंपराओं का सुंदर परिचय कराया। विद्यालय के कक्षा 8 के छात्र अब्दुल्लाह अंसारी में गायन के माध्यम से प्रतिभाशाली छात्र ने अपनी कौशल क्षमता का परिचय दिया। बच्चों ने मंच पर मराठी संस्कृति को बड़े ही सुंदर अंदाज़ में प्रश्तुत किया। उनके नृत्य में महाराष्ट्र की परंपरा, ताल और भाव स्पष्ट दिखाई दिए। लावणी के भाव मराठी संगीत पर बच्चों की प्रश्तुति और भी आकर्षक हो गई। सभी ने महाराष्ट्र की कला की सराहना करते हुए जोरदार तालियों से सम्मान किया।

मराठी लोकनृत्य लावणी की यह प्रश्तुति ताल, रंग और अभिनय का अद्भुत संगम रही। कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए विद्यालय के कक्षा - 4 व - 5 के छात्र छात्राओं ने नाटक "यमराज कुछ तो कीजिए" में धरती पर बढ़ने वाले मोबाइल फोन के दुष्प्रभाव पर यमराज की चर्चा का झरोखा दिखाया। यमराज जब धरती के हालात देखते हैं, तो उन्हें हास्यास्पद और चिंताजनक दोनों ही स्थितियाँ दिखाई देती हैं। नाटक में हास्य के माध्यम से समाज की कमियों पर व्यंग्य किया गया है। यह प्रश्तुति दर्शकों को हँसाते हुए सोचने पर मजबूर कर देती है।

सामाजिक संदेश को मनोरंजन के माध्यम से प्रश्तुत किया गया। वहीं दूसरी ओर कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए विद्यालय के कक्षा - 1 से कक्षा -4 तक के छात्र छात्राओं ने पारंपरिक डांडिया की मनमोहक प्रश्तुति देकर दर्शकों का मन जीत लिया। भारत की जीवित विरासत मे विद्यालय कक्षा 2 से कक्षा 10 तक के अंग्रेजी नाटक की प्रश्तुति देते हुए भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाती प्रश्तुति अत्यंत ज्ञानवर्धक रही।

वही विद्यालय के कक्षा 2 से कक्षा 5 तक के छात्र छात्राओं ने "मिजोरम के पारंपरिक नृत्य" प्रश्तुत कर पूर्वोत्तर भारत की मिज़ो संस्कृति से प्रेरित यह नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। छात्रों ने ईश्वर स्मरण से समारोह को पुनः आध्यात्मिक वातावरण प्रदान किया। "धरती माता करे पुकार" मे छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर आधारित यह प्रश्तुति अत्यंत प्रभावशाली रही।

कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए विद्यालय के कक्षा एक के कक्षा 5 तक के छात्र-छात्राओं ने हमारी विरासत हमारा गर्व पर देश की गौरवशाली परंपराओं का बखान करती यह प्रश्तुति विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जुड़ने का संदेश देती है। उत्तराखंड के लोक नृत्य में बच्चों ने उत्साह और उमंग के साथ पारंपरिक उत्तरा-खंड डांस प्रश्तुत किया। जिसमें रंग-बिरंगे परिधानों में सजा बच्चों का समूह मंच पर बेहद मनमोहक लग रहा था।

कार्यक्रम को और मनमोहन बनाने के लिए विद्यालय के कक्षा 2 से कक्षा 10 तक की छात्रों ने "भारतीय अखाड़े और दंगल "की शानदार प्रश्तुति दी। यह संस्कृति की अद्भुत धरोहर है।

यह केवल लड़ाई की कला नहीं, बल्कि अनुशासन, संतुलन और आत्मरक्षा का विज्ञान है।विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकुल शर्मा ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं।

उन्होंने कहा अभिभावक और शिक्षक दोनों के ही सहयोग से विद्यार्थी के स्वस्थ भविष्य का निर्माण होता है। मुख्य अतिथि निशांत यादव जी ने बताया कि एक विधार्थी बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है लगन और मेहनत से वो एक अच्छे भविष्य और स्वस्थ समाज का निर्माण करता है वहीं डॉ अनुज त्यागी जी ने बताया कि छात्र की योग्यता पहचानने का तथा उसे उत्साहित करने में सबसे बड़ा योगदान मां का होता है और वो मां ही हर छात्र की पहली शिक्षक होती है विद्यालय के कक्षा 4 कक्षा 5 के छात्रों ने "Ad–Mad"शो में छात्रों ने विभिन्न उत्पादों पर रोचक व रचनात्मक विज्ञापन प्रश्तुत किए, जिसने सबको खूब आनंदित किया।

कार्यक्रम के अंत में गत वर्ष 2024 - 25 में सर्वप्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सभी छात्राओं को मेडल सर्टिफिकेट तथा विभिन्न विषयों की पुश्तक देकर सम्मानित किया गया। "मंच तंत्र 2025" का यह वार्षिक सांस्कृतिक समारोह विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा, भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान और विद्यालय के अनुशासित वातावरण का सुंदर उदाहरण रहा।

दर्शकों ने बच्चों के उत्साह, ऊर्जा, प्रश्तुति और कला की दिल खोलकर प्रशंसा की। विद्यालय परिवार को पूर्ण विश्वास है कि ऐसे आयोजन बच्चों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, सौंदर्यबोध, टीमवर्क और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करेंगे।

ड्रोन इंटरनेशनल एकेडमी में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

नगर के द्रोण इंटरनेशनल एकेडमी में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नजीबाबाद पुलिस क्षेत्रीय अधिकारी नितेश प्रताप सिंह रहे। जिन्होंने हरी झंडी दिखाकर खेलों का शुभारंभ किया।

सीओ नितेश प्रताप सिंह का एकेडमी के डायरेक्टर वसीम अहमद बख्श और छात्र छात्राओं ने फूलो का गुलदश्ता देकर स्वागत किया। शुक्रवार को नजीबाबाद के हरिद्वार रोड स्थित मोटा महादेव पर द्रोण इंटरनेशनल एकेडमी में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। खेलकूद प्रतियोगिता में मुख्य रूप से नर्सरी क्लास में जिग जैक रेस हुई। जिसमें प्रथम स्थान इनायत तथा Lkg क्लास में एनिमल वॉक रेस में प्रथम स्थान अदनान द्वितीय स्थान कृतिक तृतीय स्थान अयांश।

अमरेला रेस में अदिति सृष्टि और कीर्ति ने बाजी मारी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीओ नितेश प्रताप सिंह ने बच्चों का संबोधन करते हुए कहा कि खेलकूद जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। इससे न केवल शारीरिक विकास होता है बल्कि मानसिक विकास भी खेलकूद करके बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा ये न सोचें कि वो कौन से स्थान पर आया है बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि उसने प्रतियोगिता में भाग लिया। डायरेक्टर वसीम अहमद बख्श ने कहा कि की हर वर्ष की भांति इस बार भी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल में हुआ है

तथा स्कूल के बच्चों में उत्साह है अकैडमी का मिशन शिक्षा शक्ति तथा संस्कार है इस मौके पर मंडावली थाना के एसएचओ पुष्पेन सिंह, मोटा महादेव चौकी इंचार्ज सोनू कुमार, एस.आई महेशचंद आदि मौजूद रहे। खेलकूद प्रतियोगिता के संग में पुलिस द्वारा नारी शक्ति और समाज में हो रहे साइबर फ्रॉड के बारे में भी स्टाफ तथा छात्र छात्राओं को जानकारी दी गई खेलकूद प्रतियोगिता के इंचार्ज रेणु बिष्ट याशिका राणा मेहर सिंह, प्राची चहल, प्रियंका, मधु शर्मा आदि द्वारा प्रतियोगिता को संपन्न कराया गया। स्कूल कोडिनेटर राहुल चौहान सना की देखरेख में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जमात ए इस्लामी हिंद ने पड़ोसियों के अधिकार जागरूकता अभियान शुरू किया

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

धामपुर में देशव्यापी पड़ोसी के अधिकार अभियान के अन्तर्गत रविवार को जमात ए इस्लामी हिंद के जिलाध्यक्ष मोहतशिम नोमानी ने प्रेस वार्ता की।

उन्होंने कहा कि इस्लाम मात्र एक समुदाय विशेष का धर्म नहीं, ब्लकि ये समश्त मानव जाति के लिए जीवन व्यतीत करने की एक व्यवस्था है,। जो (इस्लाम) समश्त मानव जाति को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मार्ग दर्शन प्रदान करता है। चाहे वह आर्थिक क्षेत्र हो या राजनैतिक क्षेत्र हो और सामाजिक क्षेत्र हो या धार्मिक व न्यायिक क्षेत्र हो।

महल सराय स्थित दाऊद डेंटल क्लीनिक धामपुर में जमात ए इस्लामी हिन्द द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने बताया कि जमात ए इस्लामी 21 नवंबर से 30 नवंबर तक दस दिवसीय एक देश व्यापी अभियान ' पड़ोसी के अधिकार ' शीर्षक के अन्तर्गत चला रही है। जिसमें पड़ोसी के अधिकारों के सम्बंध मे इस्लामिक शिक्षाओं को देश के समश्त नागरिकों के सामने लाया जाएगा। जमात ए इस्लामी के जिलाध्यक्ष मोहतशिम नोमानी ने कहा कि 'अंतिम ईशदूत मुहम्मद साहब का कथन है कि वह व्यक्ति कदापि मुस्लिम नहीं हो सकता जो खुद पेट भर खाए और उसका पड़ोसी भूखा सोय।

नोमानी ने कहा पड़ोसी के अधिकार अभियान के अन्तर्गत समश्त जनपद के विभिन्न स्थानों पर अनेक कार्यक्रम जैसे जनसभाओं स्कूल मे सांस्कृतिक कार्यक्रमों आपसी संवाद जागरुकता रैलियों गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठक ट्रैफिक जागरूकता आदि आयोजित किए जाएँगे।

उन्होंने अपील की कि एक अच्छे पड़ोस और स्वस्थ सामाज के निर्माण हेतु चलाए जा रहे इस अभियान में सभी वर्गों के लोग उनके साथ आयें। इस दौरान इस्लामिक शिक्षाओं पर आधारित फोल्डर वितरित किए गए।

प्रेस वार्ता को डाक्टर मुहम्मद अजहर और जमात ए इस्लामी के नगर अध्यक्ष अधिवक्ता फारूक आजम ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर मास्टर इस्माइल, डाक्टर अख्तर, इमरान, मास्टर अतीक आदि लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

जी-20 शिखर सम्मेलन : अफ्रीका की धरती से भारत ने दी विश्व को नई दिशा

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन विश्व की आकांक्षाओं को नई पहचान देने वाला साबित हुआ है। इस मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिन मुद्दों को उठाया, वे यह स्पष्ट करते हैं कि इस समय उनकी बड़ी चिंता विश्व समाज, सुरक्षा और प्रकृति के संरक्षण को लेकर है। उन्होंने उन विषयों पर ध्यान आकृष्ट किया, जो आज की मानवता के अस्तित्व और समतामूलक विकास के लिए निर्णायक हैं- जैसे समावेशी विकास, अफ्रीका की क्षमता को उभारना, स्वास्थ्य सुरक्षा, ड्रग-टेरर नेक्सस और पारंपरिक ज्ञान की रक्षा को प्रमुखता में रखना।

भारत के प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका को सफल मेजबानी के लिए बधाई देते हुए की और यह उल्लेख किया कि अफ्रीका की नेतृत्वकारी भूमिका विश्व के लिए नई दिशा तय कर सकती है। उन्होंने याद दिलाया कि अब तक वैश्विक विकास के जो पैमाने तय किए गए, उन्होंने संसाधनों के असमान वितरण और प्रकृति के अति-दोहन को बढ़ावा दिया है। अफ्रीकी देश इसका सबसे बड़ा शिकार है, इसलिए मोदी की चिंता यह है कि विकास की वैश्विक नीति अब भी इंसान और प्रकृति की वास्तविक आवश्यकताओं से कटी हुई है, जिसे मुख्यधारा में लाना आवश्यक है। मोदी ने कहा कि हमें आर्थिक विकास की उस सोच को बदलना होगा, जिसमें प्रकृति और समाज की कीमत पर धन की वृद्धि होती है। उन्होंने भारत के सभ्यागत ज्ञान पर आधारित एकात्म मानववाद को आगे बढ़ाते हुए यह प्रस्ताव रखा कि विकास का आधार मनुष्य, समाज और प्रकृति के बीच संतुलित होना चाहिए। उनकी यह चिंता सिर्फ आर्थिक ही नहीं दिखी है, यह तो मानवीय और पर्यावरणीय भी है। वस्तुतः यह बताता है कि भारत अब किस तरह से दृढ़ता के साथ विकास की वैकल्पिक अवधारणा को वैश्विक मंच पर रख रहा है।

सस्टेनेबिलिटी के संदर्भ में मोदी ने उन समुदायों का उल्लेख किया जो आज भी संतुलित जीवन जीते हैं। उन्होंने इस चिंता को रेखांकित किया कि आधुनिक विकास मॉडल ने पारंपरिक ज्ञान को हाशिये पर धकेल दिया है, जबकि यही ज्ञान भविष्य को सुरक्षित कर सकता है। इसी के समाधान के रूप में भारत ने वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार का प्रस्ताव दिया, जो दुनिया की सामूहिक विरासत को संरक्षित कर आगे की पीढ़ियों तक पहुंचाने में मदद करेगा। मोदी की यह चिंता प्रत्यक्ष है कि मानवता की जड़ों को बचाए बिना भविष्य निर्मित नहीं हो सकता। इसके बाद उन्होंने अपना ध्यान अफ्रीका की युवा शक्ति पर केंद्रित किया। उनकी चिंता यह है कि अफ्रीका की अपार युवा क्षमता संसाधनों की कमी और प्रशिक्षण के अभाव के कारण वैश्विक विकास में पूरी तरह भाग नहीं ले पा रही। इस चिंता को दूर करने के लिए उन्होंने 'जी20-अफ्रीका कौशल गुणक पहल' का प्रस्ताव रखा। लक्ष्य यह है कि अगले दस वर्षों में अफ्रीका में 10 लाख प्रमाणित ट्रेनर्स तैयार किए जाएं, जो आगे करोड़ों युवाओं को कुशल बनाएंगे। इस योजना से उनकी यह दृष्टि स्पष्ट होती है कि विकास तभी स्थायी होगा जब हर क्षेत्र स्वयं सक्षम बने।

स्वास्थ्य सुरक्षा भी मोदी की प्राथमिक चिंताओं में रही। कोविड-19 महामारी ने दुनिया को बताया कि एक वायरस की मार से कोई भी सुरक्षित नहीं। अतः उन्होंने 'जी-20 वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रतिक्रिया टीम' के गठन की बात रखी, जिसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्य विशेषज्ञ किसी भी वैश्विक आपातस्थिति में तुरंत सहायता पहुंचा सकें। यह चिंता मानवता की रक्षा और वैश्विक आपदा प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा में है। यहां दिखा कि प्रधानमंत्री मोदी की चिंता का एक महत्वपूर्ण आयाम ड्रग-टेरर नेक्सस भी है। उन्होंने चिंता जताई कि फेंटेनिल जैसे घातक नशे न केवल युवा पीढ़ी को तबाह कर रहे हैं बल्कि आतंकवाद को आर्थिक मदद भी पहुंचा रहे हैं। इसी खतरे को कमजोर करने के लिए भारत ने 'ड्रग-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने पर जी-20' पहल का प्रश्ताव रखा। यह स्पष्ट करता है कि भारत वैश्विक सुरक्षा को लेकर गंभीर है और इस अवैध अर्थव्यवस्था को खत्म करना चाहता है, जो सामाजिक स्थिरता और शांति का बड़ा दुश्मन बन चुकी है।

कहना होगा कि अफ्रीका और ग्लोबल साउथ की आवाज़ को मजबूत बनाए रखना भी मोदी की गहरी चिंता के रूप में सामने आया। भारत की अध्यक्षता में अफ्रीकन यूनियन को जी-20 की सदस्यता मिली, यह कूटनीतिक उपलब्धि के साथ ही शक्ति संतुलन को नया स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मोदी ने यह जोर देकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में विकासशील देशों की आवाज़ को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। उनकी यह चिंता वैश्विक न्याय और सहभागिता को सुनिश्चित करने से जुड़ी है। कुल मिलाकर यदि हम प्रधानमंत्री मोदी के पूरे संबोधन को समग्र रूप में देखें तो यह स्पष्ट होता है कि वे विकास की असमानताओं को लेकर चिंतित हैं। वे प्रकृति और पारंपरिक ज्ञान की अवहेलना पर गंभीर प्रश्न उठा रहे हैं। वे अफ्रीकी युवाओं के भविष्य और क्षमताओं के दोहन को लेकर सजग हैं। वे वैश्विक स्वास्थ्य संकटों के प्रति संवेदनशील और सावधान हैं।

वे ड्रग्स और आतंकवाद के गठजोड़ को मानवता का बड़ा दुश्मन मानते हैं। वे वैश्विक दक्षिण की भागीदारी को नई ऊंचाई देना चाहते हैं। निश्चित ही ये सभी चिंताएं किसी एक राष्ट्र के हित तक सीमित नहीं हो सकती हैं, कहना होगा कि पूरी दुनिया के हित से जुड़ी हैं। यह मोदी की कूटनीतिक सोच का विश्तार भी है और भारत के उभरते वैश्विक नेतृत्व का संकेत भी इसे आप मान सकते हैं। अतः आज जोहान्सबर्ग में पीएम मोदी का संबोधन बताता है कि भारत अब अपनी बात रखने तक सीमित देश नहीं रहा है, यह उससे बहुत आगे समाधान प्रश्तुत करने वाला राष्ट्र है। उनकी चिंताएं विश्व व्यवस्था की उन दरारों की ओर इशारा करती हैं, जिन पर समय रहते ध्यान न दिया गया तो भविष्य और कठिन हो सकता है।

विकसित और विकासशील देशों के बीच संतुलन, स्वास्थ्य सुरक्षा, पर्यावरणीय संरक्षण, युवा सशक्तीकरण और आतंक मुक्त समाज इन मूलभूत विषयों को उन्होंने वैश्विक प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रखा है। आज अफ्रीका की धरती से दिया भारत का यह संदेश आशा का नया मार्ग खोलता है, साथ ही यह भी दिखाता है कि मानवता की भलाई के लिए भारत एक जिम्मेदार नेतृत्व धारण करने को तैयार है।

व्हाइट कॉलर टेरर: लैब कोट में छिपा आतंक

योगेश कुमार गोयल

भारत को अब जिस नए तरह के आतंक का सामना करना पड़ रहा है, वह सीमा-पार से नहीं बल्कि क्लासरूम, लैब और अस्पतालों के भीतर से जन्म ले रहा है।

आतंकवाद का रूप अब बदल चुका है। वह अब सीमापार की घुसपैठ, जंगलों में छिपे गिरोहों या हथियारबंद टुकड़ियों तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी जड़ें उन सफेदपोश और शिक्षित लोगों तक पहुंच चुकी हैं, जिन्हें समाज सम्मान की दृष्टि से देखता था। आतंक का नया चेहरा वह है, जो लैब कोट पहनता है, रिसर्च पेपर लिखता है, अस्पताल में ड्यूटी करता है, मेडिकल कॉलेज में पढ़ता है और आईटी कंपनियों में काम करता है।

यही है 'व्हाइट कॉलर टेरर', जो भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी और सबसे खतरनाक चुनौती बन गया है। 'व्हाइट कॉलर टेरर' यानी शिक्षित, तकनीकी दक्ष और समाज में सम्मानित वे लोग, जो कट्टरपंथ की डिजिटल फैक्ट्रियों में वाहक बनते जा रहे हैं।

दिल्ली के लाल किले के पास विस्फोट और डॉक्टरों के बड़े मॉड्यूल का पकड़ा जाना इस नई साजिश का सबसे भयानक संकेत है। ये न आतंकी दिखते हैं, न किसी पर संदेह होता है। लाल किले के पास कार में हुए विस्फोट में 11 लोग मारे गए और कई घायल हुए। विस्फोटक कार के चालक की पहचान जब सामने आई तो देश शतब्ध रह गया क्योंकि वह कोई अपराधी, कोई पुराना संदिग्ध या किसी गिरोह का सदस्य नहीं बल्कि डॉक्टर था।

पुलवामा का रहने वाला युवक उमर मोहम्मद उन तीन डॉक्टरों का साथी निकला, जिनके पास से फरीदाबाद में लगभग 3000 किलो विस्फोटक और हथियार बरामद हुए थे। यह कोई साधारण संयोग नहीं बल्कि एक बेहद गहरी और सुनियोजित आतंकवादी साजिश की परतें खोलने वाला तथ्य है।

डॉक्टर मुजम्मिल, डॉक्टर आदिल और डॉक्टर शाहीन, ये तीनों उस गिरोह के केंद्र में थे, जो देश की राजधानी में बड़े पैमाने पर जनसंहार की योजना बना रहा था। इन सभी की प्रोफैशनल पहचान ने इतना मजबूत आवरण तैयार कर दिया था कि कोई इन्हें शक की निगाह से देख ही नहीं सकता था। इसी मॉडल का चौथा सदस्य डॉक्टर मोहिउद्दीन गुजरात पुलिस के आतंकवाद-निरोधक दस्ते की गिरफ्त में आया। चीन से मेडिसिन की पढ़ाई कर लौटे इस युवक को राइसिन जैसा घातक जहर तैयार करते हुए पकड़ा गया, जो एक ही बार में सैंकड़ों लोगों की जान ले सकता था।

यह घटनाएं पहली नहीं हैं लेकिन निश्चित रूप से सबसे खतरनाक हैं। पुणे का डॉक्टर अदनान अली सरकार हो या बेंगलुरु की बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत इंजीनियर अथवा आईटी प्रोफैशनल्स, पिछले एक दशक में कई उच्च शिक्षित लोग आतंकी संगठनों के लिए काम करते हुए पकड़े जा चुके हैं।

ऑनलाइन पहचान छिपाने के लिए फर्जी नाम, छद्म प्रोफाइल, एनक्रिप्टेड चैट और डार्क वेब समूहों का इश्तेमाल अब इनका सामान्य हथियार बन चुका है। आइएस, अल-कायदा या छोटे स्थानीय मॉड्यूल, ये सभी इस नए वर्ग को अपनी 'बौद्धिक सेना' बनाने में सक्रिय हो चुके हैं। यह धारणा अब पूरी तरह मिथ्या साबित हो चुकी है कि केवल गरीब, वंचित या अशिक्षित लोग ही मजहबी उन्माद या सामाजिक उत्पीड़न के कारण कट्टरपंथी बनते हैं। हाल के वर्षों में आतंक के राश्ते पर चलने वाले लोगों की सूची देखें तो स्पष्ट होता है कि उनमें बड़ी संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, तकनीकी विशेषज्ञ और डिग्रीधारी युवा शामिल हैं।

उनकी समस्या न तो आर्थिक है, न सामाजिक बल्कि वैचारिक है। वे इंटरनेट पर उपलब्ध कट्टरपंथी सामग्री, डार्क वेब चैट रूम, टेलीग्राम चैनलों और गहरे धार्मिक उन्माद से प्रेरित वीडियो के माध्यम से धीरे-धीरे विचलित होते हैं और फिर एक ऐसे जाल में फंस जाते हैं, जिसे वे खुद भी कभी समझ नहीं पाते। भारत में केरल, कश्मीर, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जहां प्रोफैशनल डिग्री वाले व्यक्ति आइएस, जैश, लश्कर या अल-कायदा के लिए काम करते हुए पकड़े गए। कुछ ने तो खुद के 'जिहादी मॉड्यूल' भी बना लिए, जिनके नाम मजहबी संदर्भों से प्रेरित थे, जैसे गजवा-ए-हिंद के नाम पर सक्रिय कई छोटे समूह।

ये संगठन मजहबी मान्यताओं की मनचाही व्याख्याएं करके, उसे 'धर्मयुद्ध' का रूप देकर अत्याचार, जनसंहार और हिंसा को जायज ठहराते हैं। समय-समय पर इन पर फतवे भी जारी हुए, लेकिन कट्टरपंथियों पर उनका कोई असर नहीं पड़ा।

जिहादी आतंक कोई आत्मस्फूर्त हिंसा नहीं बल्कि एक घिनौनी विचारधारा का परिणाम है। यह विचारधारा मजहबी ग्रंथों की विकृत व्याख्याओं पर आधारित है। अब जब डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक भी इस विचारधारा का शिकार होने लगें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि समस्या कहीं गहरे छिपी है।

सरकार, पुलिस और एजेंसियां अकेले इस विचारधारात्मक युद्ध को नहीं जीत सकती, यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक समूहों और सामाजिक नेतृत्व को मिलकर यह समझना होगा कि कट्टरपंथ कैसे जन्म लेता है और कैसे फैलता है। व्हाइट कॉलर टेरर की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह संदेह के दायरे से बाहर रहता है। समाज में सम्मानित होने के कारण डॉक्टर, इंजीनियर या आईटी विशेषज्ञ कोई हथियार लेकर नहीं घूमते। वे किसी सूची में नहीं होते। उनका कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होता। वे तकनीक, बैंकिंग, डिजिटल कम्युनिकेशन, एनक्रिप्शन और साइबर सुरक्षा के विशेषज्ञ होते हैं। यही कारण है कि वे निगरानी तंत्र को चकमा देने में सफल हो जाते हैं।

वे वीपीएन, क्रिप्टो ट्रांजैक्शन, डार्क वेब चैट, प्रोटॉन मेल और ऑटो-डिलीट चैट का इश्तेमाल करते हैं। वे विस्फोटकों की खरीद-फरोख्त के लिए फर्जी पहचान बनाते हैं। उनके खाते, उनके लेन-देन और उनकी यात्राएं सामान्य नागरिक जैसे दिखते हैं। यही कारण है कि एजेंसियों के लिए इनके व्यवहार का पैटर्न पहचानना ही सबसे कठिन चुनौती बन जाता है। आज आतंकवादी संगठनों की रणनीति बदल चुकी है। वे अब जंगलों या सीमाओं पर नहीं बल्कि विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, लैब्स और तकनीकी संस्थानों में नए सदस्य खोजते हैं। टेलीग्राम और सिग्नल पर 'भाईजान', 'शहीद', 'मुजाहिद', 'काफिरों के खिलाफ जंग' जैसे भावनात्मक शब्दों में संदेश भेजे जाते हैं। ऐसे संदेश धार्मिक, सामाजिक या न्याय के नाम पर 'कथित अन्याय' का चित्र बनाते हैं और युवा धीरे-धीरे कट्टरपंथी बन जाते हैं। यह 'ब्रेन वॉशिंग' चुपचाप होती है, किसी को पता तक नहीं चलता। डॉक्टर और इंजीनियर आखिर आतंकी क्यों बन रहे हैं और आतंकवादी कौनसे नैरेटिव से प्रेरित हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। हर जिहादी संगठन अपने हिंसक कृत्यों को मजहबी मान्यताओं की आड़ में सही ठहराता है। यही कारण है कि आतंक के खिलाफ होने वाले फतवों का कोई असर नहीं होता क्योंकि समस्या धार्मिक आस्थाओं की राजनीतिक और हिंसक व्याख्याओं में है।

व्हाइट कॉलर आतंकी सबसे खतरनाक इसलिए हैं क्योंकि उन्हें रोकना सबसे मुश्किल है। इन पर समाज भरोसा करता है और ये विश्वास को ही हथियार बनाकर आतंक फैलाते हैं। यही कारण है कि अब भारत को सुरक्षा का एक ऐसा नया फ्रेमवर्क तैयार करना होगा, जो केवल निगरानी पर आधारित न हो बल्कि रैडिकलाइजेशन को रोकने के लिए शिक्षा, समाज और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स में व्यापक सुधार भी करे।

बहरहाल, एजेंसियों को अब व्यवहार आधारित एआई निगरानी, डिजिटल फुटप्रिंट विश्लेषण, क्रिप्टो-ट्रैकिंग और इंटरनेशनल डेटा-शेयरिंग की दिशा में और मजबूत कदम उठाने होंगे। शिक्षण संस्थानों में साइबर-रेडिकलाइजेशन पर जागरूकता अभियान चलाने होंगे। धार्मिक नेतृत्व को कट्टरपंथी व्याख्याओं के खिलाफ स्पष्ट और ठोस संदेश देने होंगे। लाल किले का धमाका और उससे जुड़ा व्हाइट कॉलर मॉड्यूल स्पष्ट चेतावनी है कि अगली लड़ाई जंगलों या सीमा पर नहीं होगी बल्कि क्लासरूम, लैब, अस्पताल, ऑफिस और वर्चुअल दुनिया में लड़ी जाएगी।

यदि हमने इस खतरे को अभी नहीं समझा तो आतंक का यह नया चेहरा उतना ही विनाशकारी होगा, जितना हमने पहले कभी नहीं देखा। ऐसे में भारत की सुरक्षा केवल हथियारों पर नहीं बल्कि समाज के नैतिक ढ़ांचे, शिक्षण संस्थानों की जागरूकता और नागरिकों की सतर्कता पर निर्भर है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

दुबई एयरशो में तेजस हादसा और मेक-इन-इंडिया की साख

योगेश कुमार गोयल

21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की खोज के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है।

दुबई एयरशो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे, जब भारत का तेजस एमके-1ए देश की आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया।

विमान ने अचानक अपनी स्थिरता खो दी, जैसे किसी ने उसकी धड़कन रोक दी हो और देखते-ही-देखते वह सीधे नीचे गिरता हुआ आग के विशाल गोले में परिवर्तित हो गया। धुएं का काला गुबार ऊपर उठा और पूरा एयरशो मानो शतब्ध होकर ठहर गया।

स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी।

उस घटना के बाद पूरे एलसीए एमके-1 बेड़े की विश्तृत सुरक्षा जांच की गई और पाया गया कि विमान में कोई प्रणालीगत सुरक्षा खामी नहीं है। ऐसी स्थिति में दुबई हादसा एक बार फिर प्रश्न उठाता है कि आखिर इस विश्वसनीय प्लेटफॉर्म ने प्रदर्शन के दौरान अचानक ऐसा व्यवहार क्यों किया, जिसने पायलट को प्रतिक्रिया का भी अवसर नहीं दिया? दुबई एयरशो में विमान द्वारा किए जा रहे मैन्यूवर्स के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने विशेषज्ञों के बीच कई सवाल पैदा किए हैं।

विमान तेज गति से एक मोड़ ले रहा था और सामान्यतः ऐसी परिस्थितियों में तेजस जैसे आधुनिक चौथी पीढ़ी के विमान स्थिर रहते हैं परंतु पलभर में ही उसका नियंत्रित ग्लाइड अचानक एक फ्री-फॉल में तब्दील हो गया। विमान के नीचे आते ही कुछ ही सैकेंड में वह पूरी तरह आग में घिर गया। ऐसे में सवाल यही है कि क्या तेजस में कोई ऐसी खामी थी, जो वह दुर्घटनाग्रश्त हुआ। क्या उसकी उड़ान से पहले फिट होने की सही तरह से जांच नहीं की गई थी? न केवल देश बल्कि दुनिया के सामने यह सामने आना जरूरी है कि आखिर तेजस एकाएक हवा से सीधा जमीन पर क्यों आ गिरा क्योंकि इसे पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, या तो विमान को अचानक पावर लॉस हुआ या किसी महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया। यह भी संभव है कि अत्यधिक तेज कोण (एंगल ऑफ अटैक) में मोड़ लेते हुए विमान एरोडायनामिक स्टॉल का शिकार हो गया हो परंतु अनुभवी टेस्ट पायलट ऐसे मैन्यूवर के दौरान सामान्यतः नियंत्रण नहीं खोते। इसलिए जांच की दिशा स्वाभाविक रूप से किसी तकनीकी विफलता, इंजन व्यवहार, नियंत्रण प्रणाली या अचानक हुई किसी यांत्रिक टूट-फूट की तरफ जाएंगी।

तेजस एमके-1ए को भारत का सबसे आधुनिक, हल्का और अत्याधुनिक तकनीक वाला लड़ाकू विमान माना जाता है। यह सुपरसोनिक गति से उड़ान भर सकता है, बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलें दाग सकता है और एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकता है। इसका ढ़ांचा टाइटेनियम, एल्युमिनियम-लिथियम मिश्रधातुओं और कार्बन फाइबर कंपोजिट से बना है, जिससे यह बेहद हल्का और मजबूत बनता है। यह हल्का वजन ही इसे असाधारण फुर्ती प्रदान करता है।

तेजस की रेंज, पेलोड और युद्धक क्षमता इसे एशिया और अफ्रीका के कई देशों में आकर्षण का केंद्र बनाती हैं। मलेशिया, तुर्कमेनिश्तान, इजिप्ट, यूएई, श्रीलंका और सिंगापुर जैसे देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं।

इसीलिए दुबई एयरशो में तेजस की उपस्थिति भारत के लिए केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं थी बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच था, जहां भारत अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता का भरोसेमंद चेहरा पेश कर रहा था। ऐसे में तेजस का प्रदर्शनी के दौरान दुर्घटनाग्रश्त होना स्वाभाविक रूप से भारत की निर्यात संभावनाओं के लिए चिंता का विषय है।

हालांकि रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि एक अकेली दुर्घटना किसी विमान की छवि को स्थायी रूप से धूमिल नहीं करती, बशर्ते जांच पारदर्शी, तेज और गहन हो। एफ-16, मिग-29, राफेल, ग्रिपेन इत्यादि दुनिया के लगभग सभी प्रसिद्ध युद्धक विमानों की शुरुआती वर्षों में दुर्घटनाएं हुई थी लेकिन समय के साथ वे दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म बने। अतः तेजस के लिए भी यह निर्णायक परीक्षा का समय है।

तेजस भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी लड़ाकू विमान है, हालांकि इसका इंजन अमेरिकी कंपनी जीई से आता है। भारत और जीई के बीच 2021 और 2023 में हुए समझौतों के तहत एमके-1ए और एमके-2 कार्यक्रम के लिए इंजन की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इंजनों पर आंशिक निर्भरता के बावजूद तेजस की बाकी प्रणाली(डिजाइन, ढ़ांचा, एवीओनिक्स, राडार) भारत द्वारा विकसित की गई हैं।

तेजस को भारतीय वायुसेना में 2016 में शामिल किया गया था और तब से इसकी दो स्क्वाड्रन सेवा में हैं।

एमके-1ए संस्करण, जो कि दुर्घटनाग्रश्त विमान का मॉडल था, तेजस परिवार का सबसे उन्नत संस्करण माना जाता है। इसके लिए 2021 में भारत सरकार ने एचएएल को 48, 000 करोड़ रुपये का बड़ा अनुबंध दिया था और हाल ही में इसकी 97 और इकाईयों के लिए लगभग 62, 000 करोड़ रुपये का नया समझौता हुआ था। इसका मतलब है कि भारत आगामी वर्षों में तेजस को अपनी वायुसेना का मुख्य लाइट-फाइटर प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में बढ़ चुका है।

ऐसे समय में दुबई जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में हुआ यह क्रैश सार्वजनिक विमर्श में कई प्रश्न छोड़ गया है। क्या यह तकनीकी खामी थी? क्या प्रदर्शन की परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी? क्या किसी बाहरी तत्व ने विमान के व्यवहार को प्रभावित किया? क्या पूर्व क्रैश से सीखी गई तकनीकी सीखों को एमके-1ए में पर्याप्त रूप से शामिल किया गया था? इस घटना का एक और भावनात्मक पक्ष है, पायलट की शहादत। एक टेस्ट पायलट उच्च-जोखिम वाले वातावरण में उड़ान भरता है।

वे केवल उड़ान नहीं भरते बल्कि हर उड़ान में विमान, उसकी प्रणालियों और उसकी हर क्षमता का परीक्षण करते हैं। इसीलिए उन्हें एयरोनॉटिक्स का अग्रदूत माना जाता है। इस हादसे के बीच यह तथ्य नहीं भुलाया जा सकता कि तेजस अब भी भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता, सामरिक क्षमता और रक्षा-विकास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस दुर्घटना से तेजस का भविष्य खत्म नहीं होता बल्कि यह उसके विकास की गति को और तर्कसंगत, वैज्ञानिक और मजबूत बनाने का अवसर बन सकता है। कई देशों में एक दुर्घटना के बाद विमान को और अधिक बेहतर बनाया गया है।

बहरहाल, जांच के निष्कर्षों के आधार पर यदि एचएएल और वायुसेना तेजी से सुधार लागू करते हैं तो यह तेजस की विश्वसनीयता को और बढ़ा सकता है। एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि दुर्घटनाओं का प्रभाव निर्यात बाजार में केवल तब गहरा होता है, जब दुर्घटनाएं बार-बार हों या जांच में प्रणालीगत खामी सामने आए। तेजस अभी भी अपनी श्रेणी में दुनिया के सबसे सुरक्षित और अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों में गिना जाता है।

यह हल्का है, कम कीमत में मिलता है, इसकी संचालन लागत कम है और छोटे-बीच के देशों के लिए आदर्श विकल्प है। इसलिए दीर्घकाल में इसके निर्यात पर इस घटना का अति-नकारात्मक प्रभाव होने की संभावना बेहद कम है, बशर्ते भारत इस दुर्घटना पर त्वरित, पारदर्शी और विश्वसनीय प्रतिक्रिया दे।

न्यायपूर्ण जांच, तेजी से लिए गए सुधारात्मक कदम और तकनीकी सुधार, ये तीन तत्व ही सुनिश्चित करेंगे कि तेजस अपनी उड़ान और अधिक ऊंची और स्थिर बनाए रखे। तेजस देश की इच्छाशक्ति का प्रतीक, वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रमाण और भविष्य की वायु-क्षमता का आधार भारत का स्वदेशी लड़ाकू विमान है। उम्मीद की जानी चाहिए कि न्यायपूर्ण जांच के बाद तेजस वैश्विक मंच पर और मजबूत होकर उभरेगा।

शेख हसीना को मृत्युदंड : दक्षिण एशियाई कूटनीति में भारत की नई चुनौती

डॉ. सत्यवान सौरभ

बांग्लादेश की राजनीति में अभूतपूर्व उथल-पुथल के बीच पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश के न्यायाधिकरण द्वारा मृत्युदंड सुनाया जाना केवल एक अदालती फैसला नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई भू-राजनीतिक परिदृश्य को हिला देने वाला ऐतिहासिक घटना-क्रम है।

यह सजा उस समय सुनाई गई जब हसीना पहले से ही भारत में राजनीतिक शरण जैसी स्थिति में रह रही थीं और बांग्लादेश में उनकी सरकार के विरोध में विश्तृत जन-आक्रोश तथा हिंसक आंदोलनों की पृष्ठभूमि मौजूद थी। इस फैसले ने बांग्लादेश की लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता, न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और शासन की स्थिरता को तीव्र विवाद के केंद्र में ला दिया है।

लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि यह स्थिति भारत को किस प्रकार गहरे कूटनीतिक द्वंद्व में धकेल रही है, जहाँ हर कदम क्षेत्रीय समीकरणों और द्विपक्षीय हितों पर दूरगामी प्रभाव डाल सकता है।

भारत के लिए सबसे पहली चुनौती यह है कि वह इस फैसले पर कैसी आधिकारिक प्रतिक्रिया दर्ज करे। भारत बांग्लादेश का सबसे नजदीकी और सबसे बड़ा साझेदार देश है, जिसके साथ सुरक्षा, व्यापार, ऊर्जा, सीमा-प्रबंधन, कनेक्टिविटी और सांस्कृतिक अन्तःसंबंध जैसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्र जुड़े हुए हैं। इसलिए भारत किसी भी प्रकार की खुली निंदा या समर्थन का जोखिम उठाने की स्थिति में नहीं है। भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानवाधिकार, न्यायिक निष्पक्षता और राजनीतिक स्थिरता के सिद्धांतों को भी साथ में लेकर चलना है, जो उसे क्षेत्रीय नेतृत्व के मानक पर कसते हैं। इसके साथ ही बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में हश्तक्षेप-नही-करने की नीति भी भारत के लिए अनिवार्य वाश्तविकता है। यही कारण है कि भारत के कूटनीतिक वक्तव्यों का स्वर अत्यंत संयत, सावधान और संतुलित रहा है।

भारत के सामने दूसरी बड़ी चुनौती शेख हसीना की सुरक्षा और उनके प्रत्यर्पण की संभावित मांग है। हसीना लंबे समय से भारत में सुरक्षित हैं और बांग्लादेश की नई सत्ता-व्यवस्था व न्यायाधिकरण द्वारा उनका प्रत्यर्पण माँगा जाना लगभग निश्चित है। लेकिन भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि में राजनीतिक अपराध अपवाद का स्पष्ट उल्लेख है, जो भारत को कानूनी आधार देता है कि वह हसीना को बांग्लादेश भेजने से इनकार कर सके। इसके अतिरिक्त, यदि भारत उन्हें प्रतिपक्षीय हिंसा या पक्षपातपूर्ण मुकदमे का शिकार मानता है, तो प्रत्यर्पण देना भारत के मानवाधिकार और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विरुद्ध होगा। किंतु इससे बांग्लादेश सरकार के साथ तनाव बढ़ सकता है, और भारतीय कूटनीति को इसे अत्यंत सावधानी से संभालने की आवश्यकता है।

भारत को इस स्थिति का तीसरा बड़ा आयाम क्षेत्रीय स्थिरता के संदर्भ में देखना आवश्यक है। भारत और बांग्लादेश लगभग चार हजार किलोमीटर लंबी साझा सीमा साझा करते हैं, जहाँ अशांति फैलने या राजनीतिक हिंसा बढ़ने से सीमा सुरक्षा, सीमा-पार अपराध, अवैध आवागमन, शरणार्थी प्रवाह और कट्टरपंथी समूहों की गतिविधियों में वृद्धि की आशंका है।

पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिज़ोरम और असम जैसे राज्यों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ सकता है। बांग्लादेश की स्थिरता भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी किसी अन्य राष्ट्रीय रणनीति के लिए। इसलिए भारत चाहता है कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया, सामाजिक शांति और प्रभावी शासन जितनी जल्दी बहाल हो सके, उतना बेहतर है।

एक अन्य महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि बांग्लादेश की राजनीति में अस्थिरता से भारत-बांग्लादेश आर्थिक संबंधों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। दोनों देशों के बीच व्यापक व्यापारिक विनिमय, औद्योगिक सहयोग, बिजली और गैस पाइपलाइन परियोजनाएँ, बंदरगाह विकास समझौते, सीमा-पार रेल और सड़क कनेक्टिविटी, और कई आर्थिक गलियारे चल रहे हैं। यदि बांग्लादेश में राजनीतिक संकट लंबा खिंचता है, तो इन परियोजनाओं की गति धीमी पड़ सकती है, निवेश वातावरण प्रभावित हो सकता है और व्यापार बाधित हो सकता है। यह विशेष रूप से उस समय और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है जब क्षेत्रीय शक्तियाँ- विशेषतः चीन-बांग्लादेश में सक्रिय रूप से अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हों।

चीन-बांग्लादेश संबंध भारत के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहे हैं। चीन ने बांग्लादेश में बड़े-बड़े बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं, समुद्री समझौतों और सामरिक ठिकानों के माध्यम से अपने प्रभाव का विश्तार किया है। यदि राजनीतिक अस्थिरता के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंध कमजोर पड़ते हैं, तो यह चीन को एक बड़ा अवसर प्रदान कर सकता है। इसलिए भारत को ऐसी किसी भी स्थिति से बचना होगा जहाँ उसकी तटस्थता या हसीना के प्रति सहानुभूति को नई बांग्लादेशी सत्ता भारत-विरोधी या अपना-नुकसान समझने लगे। भारत के लिए यह पूर्णतः रणनीतिक चुनौती है: उसे लोकतंत्र और न्यायिक निष्पक्षता का समर्थन भी करना है और अपनी क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा व सामरिक हितों की रक्षा भी। अमेरिका और पाकिस्तान जैसे देशों की नीतियाँ भी इस घटनाक्रम को और जटिल बनाती हैं। अमेरिका ने कई बार बांग्लादेश में चुनावी पारदर्शिता और मानवाधिकार उल्लंघन पर चिंता जताई है, जबकि पाकिस्तान बांग्लादेश के राजनीतिक उद्देश्यों को भारत-विरोधी दिशा में मोड़ने की कोशिश कर सकता है।

भारत इस त्रिकोणीय दबाव के बीच संतुलन साधते हुए एक ऐसी रणनीति अपना रहा है जिसमें वह न तो क्षेत्रीय शक्ति-नीतियों में पीछे हटे और न ही किसी प्रत्यक्ष विवाद में उलझे। भारत का यह संतुलन उसके व्यापक दक्षिण एशिया दृष्टिकोण को भी परिभाषित करता है। लोग-से-लोग संपर्कों और सांस्कृतिक जुड़ावों पर भी इस घटनाक्रम का असर पड़ सकता है। लाखों बांग्लादेशी भारत में कार्यरत हैं, पढ़ते हैं, आते-जाते हैं और सांस्कृतिक विनिमय करते हैं। यदि बांग्लादेश की नई सत्ता भारत के रुख से असंतुष्ट होती है तो इन लोगों पर दबाव बढ़ सकता है, जो दोनों देशों के सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण को अस्थिर कर सकता है। वहीं भारत में रहने वाले बांग्लादेशी शरणार्थियों को भी अधिक सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सार रूप में देखा जाए तो शेख हसीना को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा बांग्लादेश के भीतर गहरा राजनीतिक-न्यायिक संकट है, लेकिन इसका प्रभाव केवल वहीं सीमित नहीं रहता; यह पूरे दक्षिण एशिया के कूटनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करता है। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे, बल्कि यह भी सुनिश्चित करे कि बांग्लादेश में स्थिरता, लोकतंत्र और न्यायपूर्ण शासन की दिशा में सकारात्मक प्रगति हो। भारत की कूटनीति को धैर्य, सूझबूझ और उच्चतर संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ना होगा।

अंततः, यह घटनाक्रम भारत को यह याद दिलाता है कि पड़ोसी देशों की घरेलू राजनीति कभी अकेली नहीं होती; वह सीमाओं से परे प्रभाव डालती है और शक्ति-संतुलन की नई सिरों पर प्रश्न उठाती है।

भारत को ऐसे समय में वही भूमिका निभानी है जिसकी उम्मीद एक जिम्मेदार, लोकतांत्रिक और क्षेत्रीय नेतृत्वकर्ता शक्ति से की जाती है-संवेदनशील लेकिन दृढ़, संतुलित लेकिन सिद्धांतनिष्ठ, और तटस्थ लेकिन मानवीय दृष्टिकोण से समृद्ध।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

एसएसपी ने किया बुलन्दशहर बॉर्डर का निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एसएसपी द्वारा थाना पालीमुकीमपुर क्षेत्र में जनपद बुलन्दशहर की सीमा का निरीक्षण कर बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

ड्यूटियों पर तैनात पुलिस कर्मियों को जनपद के प्रवेश या निकास मार्गों पर बैरियर लगाकर संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की सघन चेकिंग करने एवं सतर्कता से ड्यूटी करने के निर्देश दिए गये। साथ ही रात्रि में थाने के बॉर्डर एवं बैरियर पर विशेष चेकिंग अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की निगरानी/चेकिंग की जाये । इस दौरान क्षेत्राधिकारी छर्रा संजीव तोमर, थाना प्रभारी पालीमकुीमपुर धर्मेन्द्र कुमार व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे ।

साइबर ठगों के चुगंल से वापस कराई रकम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

साइबर ठगों द्वारा बैंक अधिकारी बन क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने के नाम पर ओटीपी पूछकर ठगी किये 96,343 रुपये साइबर सेल टीम द्वारा पीड़ित के खाते में वापस कराये हैं।

19 नवम्बर को शिकायतकर्ता अनिल कुमार पुत्र भानू प्रकाश गौड निवासी ग्राम व पोस्ट सबलपुर थाना पिसावा (जो कि मेडीकल रीप्रजेन्टेटिव है) द्वारा गोल्डन ऑवर में साइबर सेल पर शिकायत की कि साइबर ठगों द्वारा अज्ञात नम्बर से कॉल करके बैंक अधिकारी बन क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने के नाम पर ओटीपी पूछकर 96,343 रुपये की ठगी की गई है। साइबर सेल टीम द्वारा शिकायतकर्ता से घटना के सम्बध में जानकारी प्राप्त कर शीघ्र सम्बन्धित बैंक/पेमेन्ट गेट वे/मर्चेन्ट से सम्पर्क करके फ्रॉड की गयी धनराशि को रूकवाया गया व शिकायतकर्ता के खाते में शतप्रतिशत 96,343 रुपये वापस कराये गये ।

चाकू की नौंक पर चौथ मांगने वाला दबोचा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना देहलीगेट पुलिस टीम द्वारा चाकू की नौंक पर हजारों रूपये धौंस वसूली मांगते हुये जान से मारने की धमकी देकर दुकान के गल्ले से रूपये चोरी करने वाले वांछित आरोपी को मय चोरी किये रुपये व अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया है।

वांछित आरोपी शाहजेब उर्फ ढऊआ पुत्र स्व0 शमशाद निवासी उस्मानपाड़ा थाना देहलीगेट को मय चोरी किये गये रुपयों मे से शेष बचे 520 रुपये व एक अवैध चाकू के साथ थाना क्षेत्र देहलीगेट से गिरफ्तार किया गया है। शाहजेब द्वारा शिकायतकर्ता को चाकू दिखाकर 40 हजार रूपये की चौथ माँगकर जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में वादी की बारहद्वारी स्थित दुकान के गल्ले से रुपये चोरी करने का मुकद्दमा पंजीकृत किया गया था ।

पत्नी के अश्लील फाटो वायरल कर रहा पति

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना गोंडा क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता की तहरीर पर उसके पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। उसका आरोप है कि उसका पति अश्लील फोटो वायरल कर रहा है और अश्लील मैसेज मोबाइल पर भेज रहा है।

पीड़ताि के अनुसार 16 अप्रैल को थाना हरदुआगंज क्षेत्र में शादी हुई थी। शादी कुछ दिन बाद ही अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए पति सहित उसके मामा-मामी प्रताड़ति करने लगे। 15 जुलाई को आरोपी उसे पीटने के बाद मायके के बाहर छोड़कर चले गए। पीड़िता का आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से पति उसके गलत ढंग से बनाए गए अश्लील फोटो वायरल कर रहा है। फोन पर अश्लील मेसेज कर मानसिक रूप से प्रताड़ति कर रहा है। इससे समाज में बदनामी हो रही है। मामले में एसएसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज हुई है।

जिला पंचायत बोर्ड बैठक में लगी 50 करोड़ के बजट मुहर

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला पंचायत बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 50 करोड़ रुपए के बजट को सर्वसम्मति से मुहर लगा दी गई है। इस अनुमोदित बजट में से, अगले वित्तीय वर्ष में जिला पंचायत क्षेत्र में 44 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे।

बजट पर मुहर लगने के साथ ही, बैठक में मौजूद जिला पंचायत सदस्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता और क्रियान्वयन को लेकर सवाल उठाए। सदस्यों ने विशेष रूप से यह मुद्दा उठाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लगाई गईं हाई-मास्ट लाइटें अक्सर खराब पड़ी रहती हैं, जिससे उनका उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है और जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सदस्यों ने अपनी चिंताओं को प्रमुखता से रखते हुए अधिकारियों से इन समस्याओं के त्वरित निवारण और विकास कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। जिला पंचायत बोर्ड की इस बैठक में जिले के सभी जिला पंचायत सदस्यों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

इसके अलावा, बैठक में भाजपा के जिला अध्यक्ष कृष्ण पाल लाला और वरिष्ठ भाजपा नेता श्यौराज सिंह सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

नशे से दूर रहो दोस्तों, कई साल बर्बाद किए हैं मैंने : रैपर किंग हनी सिंह

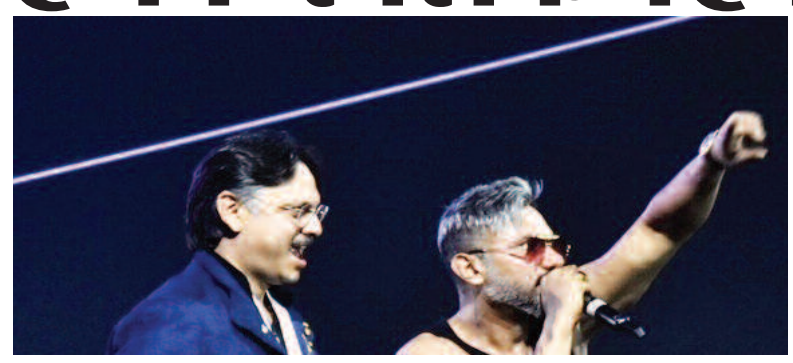

लखनऊ , एजेंसी। रैपर किंग हनी सिंह ने शनिवार की शाम अपने प्रशंसकों को ऐसी सौगात दी जिसे वे शायद कभी नहीं भूल पाएंगे। आशियाना के स्मृति उपवन में हुए इस लाइव कॉन्सर्ट में न सिर्फ हनी सिंह ने अपने गीतों और रिमिक्स के जरिये करीब 25 हजार लोगों का दिल जीतकर उन्हें झूमने पर मजबूर कर दिया बल्कि युवाओं को नशे की लत से दूर रहने की पुरजोर अपील कर उनके आइडल भी बन गए। मंच पर कार्यक्रम की शुरुआत में ही उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहो दोस्तों, मैंने अपनी जिंदगी के कई साल नशे की वजह से बर्बाद कर दिए।

मंच पर हनी सिंह के आने से पहले माइक संभाला सरोजनीनगर से भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने। उन्होंने कहा कि हनी सिंह ने नशे की लत से खुद को रिहा कर यह साबित कर दिया कि दुनिया उसी की है जो गिरकर संभलना और फिर से उठना जानता है। उन्होंने कहा कि वे आज यूथ आइकन हैं और उनके यहां आने से लखनऊ आज ग्लोबल सिटी बन गया है। इसके बाद मंच पर जैसे ही हनी सिंह की एंट्री हुई तो प्रशंसकों के शोर ने उनका जोरदार स्वागत किया। हनी सिंह ने कहा कि मैं सूखे नशे की गिरफ्त में आ गया था और कई साल बर्बाद कर दिए। इसके बाद कुछ संभला तो शराब की लत लग गई लेकिन मेरे परिवार और विधायक राजेश्वर सिंह व कपिल त्यागी ने मेरा नशा छुड़ाने में मदद की। आज मैं जो कुछ भी हूं वह इन्हीं लोगों की वजह से हूं।

हनी सिंह ने युवाओं से अपील की कि वे नशा न करने का वादा करें। कहा, अगर नशा करना ही है तो तरक्की का करो, अपने मां-बाप की इज्जत बढ़ाने का करो और नशा करो तो महादेव की भक्ति का करो। इसके बाद रंग-बिरंगी रोशनी और दमदार म्यूजिक के बीच जैसे ही अपना मशहूर गाना दिल चोरी साडा हो गया... सुनाया तो पूरा मैदान शोर, सीटियों और तालियों से गूंज उठा। इसके बाद हाय मेरा दिल... शुरू करते ही अपना कोट उतार दिया और मंच पर ही दंड बैठक करने के बाद खुद भी थिरकने लगे। यह देखकर प्रशंसक झूम उठे। इसके बाद ब्राउन..., आज ब्लू है पानी पानी..., चार बोतल वोदका काम मेरा रोज का..., पार्टी अभी बाकी है... और मेरे नॉटी सइयां इतनी पीते क्यों हो... जैसे रिमिक्स गीतों से समां बांध दिया और उनके साथ साथ प्रशंसक भी गुनगुनाते और नाचते रहे।

धीरे धीरे से मेरी जिंदगी में आना... पर हनी के साथ थिरके विधायक : दूसरी बार लखनऊ आए हनी सिंह ने कहा कि मैं 2014 में बीमार था और एक गाना तैयार कर रहा था तो मेरी मां ने उस गीत का एक अंतरा लिखा। इस दौरान मंच पर विधायक राजेश्वर सिंह और उनके भाई रामेश्वर सिंह ने जब उन्हें शॉल ओढ़ाकर भगवान श्रीराम की मूर्ति भेंटकर सम्मान किया तो हनी सिंह के साथ हजारों दर्शक जयश्रीराम, वंदे मातरम और हर हर महादेव का उद्घोष करने लगे। इसके बाद हनी सिंह ने धीरे धीरे से मेरी जिंदगी में आना... गीत गाया जिस पर राजेश्वर सिंह भी थिरकने लगे। इस दौरान प्रशंसकों ने न सिर्फ जमकर डांस किया बल्कि वीडियो और सेल्फी भी खिंचवाई।

हनी सिंह के लाइव कॉन्सर्ट को देखने के लिए कोई टिकट नहीं था। केवल 25 हजार पास जारी किए गए थे लेकिन इसके बावजूद हजारों प्रशंसक एंट्री न मिलने के बावजूद बाहर डटे रहे और बहुत से लोग तो आसपास इमारतों की छतों से कार्यक्रम देखने और सुनने का प्रयास करते रहे। कॉन्सर्ट शुरू होने से पहले ही स्मृति उपवन के चारों ओर वाहनों का काफिला लगा रहा और कॉन्सर्ट खत्म होने के बाद सड़कों पर लंबा जाम लग गया।

घर में मिली पूर्व प्रधान और पत्नी की लाश, आंख और नाक से बह रहा था खून; हत्या की आशंका...

श्रावस्ती , एजेंसी। यूपी के श्रावस्ती में रविवार की तड़के पूर्व प्रधान और उनकी पत्नी के शव घर पर पड़े मिले। उनकी नाक और आंख से खून बह रहा था। इससे हत्या करने की आशंका जताई जा रही है। घटना से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घटना इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत खावा पोखर की है। यहां के निवासी पूर्व प्रधान मोहम्मद रोशन (80) और उनकी पत्नी वसीला (60) की लाशें मिली। मोहम्मद रोशन की लाश घर के अंदर फर्श पर तो वसीला का शव घर से करीब 5 कदम दूर झाड़ियों में पड़ा मिला। आंखों पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। आंखों और नाक से खून बह रहा था। घटना से गांव में चर्चाओं का माहौल गर्म है।बताया गया कि मृतक दंपती पिछले कई वर्षों से अपने पुश्तैनी मकान में रह रहे थे। उनके दोनों बेटे गुड्डू उर्फ हसीब और पुल्लू उर्फ नसीब अपने परिवारों के साथ कुछ दूरी पर अलग-अलग मकानों में रहते हैं। बड़े बेटे गुड्डू ने बताया कि वह सुबह करीब 5 बजे नमाज अदा करने के लिए जा रहा था। तभी घर के बाहर उसने मां का लहूलुहान शव देखा। घबराकर वह घर के अंदर गया तो पिता भी मृत अवस्था में फर्श पर पड़े मिले।

रिश्ता शर्मसार: पिता के दोस्त ने पांच साल की मासूम से की हैवानियत, खून से लथपथ बच्ची को देख कांप गए घरवाले

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में इंदिरानगर इलाके में बृहस्पतिवार रात पांच वर्ष की बच्ची को खिलाने के बहाने सुनसान जगह ले जाकर इंदिरानगर पावर हाउस निवासी सुनील ने दुष्कर्म किया। बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी सुनील को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

इंस्पेक्टर इंदिरानगर सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि पीड़ित व आरोपी दोनों बिहार के रहने वाले हैं। आरोपी सुनील बच्ची के पिता का दोस्त है और दोनों साथ में शटरिंग का काम करते हैं। बृहस्पतिवार रात करीब आठ बजे के आसपास आरोपी सुनील बच्ची के घर पहुंचा। उसने बच्ची के पिता के साथ शराब पी। इसके बाद वह बच्ची को खिलाने के बहाने से साथ ले गया।

दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज

आरोपी ने घर से कुछ दूर सुनसान जगह पर बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। फिर वहां से भाग गया। खून से लथपथ बच्ची रोते हुए घर पहुंची। परिजनों को आरोपी सुनील की गलत हरकत के बारे में बताया। इसके बाद परिजन बच्ची को साथ लेकर इंदिरानगर थाने पहुंचे। पुलिस ने फौरन बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया। मां की तहरीर पर आरोपी सुनील के खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया।

सात घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी को दबोचा

इंस्पेक्टर ने बताया कि घटना के बाद आरोपी सुनील घर छोड़कर भाग गया था। पुलिस जब उसके घर पहुंची तो आरोपी की पत्नी मिली। पुलिस ने सुनील के बारे में पूछताछ की तो वह कुछ नहीं बता सकी। सुनील मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करता है। ऐसे में सर्विलांस का हथियार बेकार था। पुलिस ने बच्ची के पिता को साथ लिया और सुनील की तलाश शुरू की। शिकायत दर्ज होने के सात घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी सुनील को सेक्टर-14 के पास से गिरफ्तार कर लिया।

खुफिया एजेंसियों की बड़ी हलचल, कई छिपे नेटवर्क होंगे बेनकाब; अल फलाह यूनिवर्सिटी पर शिकंजा

लखनऊ , एजेंसी। जैश-ए-मोहम्मद के फरीदाबाद माड्यूल द्वारा दिल्ली में बम विस्फोट की घटना को अंजाम देने के बाद यूपी में सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी जांच तेज कर दी है। खासकर आतंकियों के लोकल ठिकानों को तलाशा जा रहा है। प्रदेश में एजेंसियों के राडार पर 250 से अधिक कश्मीरी मूल के डॉक्टर और छात्र हैं, जिनकी हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। वहीं आधा दर्जन से अधिक अल्पसंख्यक शैक्षिणिक संस्थान भी जांच के दायरे में हैं।

सूत्रों के मुताबिक, फरीदाबाद माड्यूल का खुलासा होने के बाद आतंकियों का प्रदेश के कई जिलों से कनेक्शन सामने आ चुका है। खासतौर पर कश्मीर के निवासी ऐसे डॉक्टर जो प्रदेश के मेडिकल कॉलेज में कार्यरत है अथवा मेडिकल की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, उनका ब्योरा जुटाने के साथ गतिविधियां भी परखी जा रही है।

दस्तावेज जम्मू-कश्मीर पुलिस को सत्यापन के लिए भेजे

बीते सप्ताह तक इनकी संख्या करीबन 200 थी, जो अब बढ़कर 250 से अधिक हो चुकी है। वहीं निजी अस्पतालों में काम करने वाले कश्मीरी मूल के डॉक्टर भी जांच के दायरे में हैं। एटीएस ने उनके बारे में जानकारी जुटाने के बाद आपराधिक इतिहास खंगालने के लिए दस्तावेज जम्मू-कश्मीर पुलिस को सत्यापन के लिए भेजा है।

संस्थानों की गतिविधियों पर पैनी नजर : वहीं दूसरी ओर फरीदाबाद में अल फलाह यूनिवर्सिटी पर कानूनी शिकंजा कसने के बाद प्रदेश में मेडिकल की शिक्षा देने वाले आधा दर्जन शैक्षणिक संस्थान भी जांच के दायरे में आ चुके हैं। एटीएस, एलआईयू और स्थानीय पुलिस इन संस्थानों में होने वाली गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए है। साथ ही उनके वित्तीय प्रबंधन को भी जांच के दायरे में लाते हुए पड़ताल जारी है। इनमें से अधिकतर संस्थान पश्चिमी उप्र के हैं। वहीं राजधानी का एक संस्थान भी जांच के दायरे में आ चुका है।

19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का शुभारंभ, ब्रजेश पाठक के सामने रोने लगा स्काउट्स, बोला- गर्म पानी नहीं मिलता

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी में 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का शुभारंभ हो गया। इस मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक अस्पताल के निरीक्षण पर पहुंचे तो स्काउट्स उनके सामने रोने लगा। कहा कि यहां पर गर्म पानी नहीं मिलता है। इस पर डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखने के लिए निर्देशित किया।

राजधानी लखनऊ में वृंदावन स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में रविवार से 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी की शुरुआत हो गई। इसका उद्घाटन उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। इसके बाद वह परिसर में बने 100 बेड के अस्थायी अस्पताल के निरीक्षण पर पहुंचे। वहां पर एक स्काउट्स डिप्टी सीएम के सामने रोने लगा। कहा कि यहां पर गर्म पानी नहीं मिलता है।

जंबूरी में शामिल होने आए तेलंगाना निवासी 13 साल के स्काउट्स विदित डिहाइड्रेशन के शिकार हुए। देर रात तबीयत बिगड़ने पर उन्हें परिसर में बने अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। डिप्टी सीएम जब निरीक्षण को पहुंचे तब विदित का इलाज चल रहा था। इमरजेंसी वार्ड के दूसरे बेड पर अयोध्या निवासी गाइड्स वैष्णवी को भी भर्ती किया गया है। उन्हें सीने में दर्द की वजह से कार्य करने में परेशानी हो रही थी।

निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्लाइड्स गाइड्स को खाने पीने, रहने व अन्य व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। युवाओं को पर्याप्त मात्रा में पानी मिले, जिन्हें गर्म पानी की जरूरत हो उन्हें भी उपलब्ध कराया जाए।

युवाओं को स्वयंसेवक, सेवाभाव, देश प्रेम का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा

इस दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश व लखनऊ के लिए यह गौरव का विषय है कि इस तरह का बड़ा आयोजन यहां हो रहा है। सात दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में युवाओं को स्वयंसेवक, सेवाभाव, देश प्रेम और समाज के लिए काम करने की विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। उद्घाटन व निरीक्षण के दौरान प्रदेश सरकार के मंत्री महेंद्र कुमार सिंह, स्काउट्स गाइड्स के अधिकारी मौजूद रहे।

जीवनसाथी की चाह में पहुंचे डॉक्टर व वकील

लखनऊ , एजेंसी। गोमतीनगर स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में शनिवार को वीरांगना झलकारी बाई जयंती और वैवाहिक पारिवारिक परिचय कार्यक्रम हुआ। इसमें विभिन्न जिलों से 20 अविवाहित युवक और 20 युवतियां पहुंचे। इनमें डॉक्टर, वकील और शिक्षक शामिल रहे। 180 किमी दूर शाहजहांपुर से सरकारी शिक्षक विशेष रंजन (31) और झांसी से प्रियांशु शंखवार (27) पहुंचे। वकालत कर रहीं दुर्गा कुमारी, सुनंदिनी प्रभाकर, डॉक्टर पूर्णिमा वर्मा (27) और सहायक अध्यापक आशीष कुमार की जीवनसाथी की खोज पूरी हुई। संस्थापक वैद्य रामनाथ, अध्यक्ष शिवराम चक्रवर्ती, पंडित रामप्रकाश, स्वदेश कोरी, हरिश चंद्रा, डॉ. राकेश ऋषभ, बीके माहौर, प्रो. एसपी कुटार, राजू देशप्रेमी, यूथ ब्रिगेड के अध्यक्ष सौरभ कमल आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय सर्व कोरी समाज भारत, यूथ ब्रिगेड और भारतीय सर्व कोरी समाज के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

बलिया में हाफ एनकाउंटर...बदमाश घायल, तमंचा, कारतूस और तलवार बरामद; पुलिस पर की थी फायरिंग

बलिया, एजेंसी। दिलदारनगर थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात पुलिस और वांछित बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे घायलावस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। मौके से पुलिस ने अवैध तमंचा, कारतूस और तलवार बरामद की है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने बताया कि थाना प्रभारी दिलदारनगर तथा उपनिरीक्षक सत्यनारायण शुक्ल पुलिस टीम के साथ रात में गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या के प्रयास व अन्य मामला में वांछित अभियुक्त ताड़ीघाट पुलिया के पास छिपा हुआ है। पुलिस ने घेराबंदी की और मौके से आरोपी को पकड़ लिया, जिसने अपना नाम अरमान निवासी महना, दिलदारनगर बताया।एसपी ने बताया कि पुलिस तलवार बरामद कराने के लिए जब आरोपी को लेकर प्राथमिक पाठशाला के पास पहुंसी, तो उसने पुलिया के पाइप से तलवार निकालकर दे दी। इसके बाद उसने वहीं छिपाए गए तमंचे से पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी।

पुलिस ने आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग में वांछित अभियुक्त के बाये पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। घायल आरोपी को पहले सीएचसी भदौरा ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

एक जनवरी से नहीं चलेंगे डीजल-पेट्रोल चालित कैब-डिलीवरी वाहन, मेरठ में बंद होंगे 15 हजार ऑटो

मेरठ , एजेंसी। एनसीआर में वायु प्रदूषण में सुधार के लिए शासन ने एक जनवरी 2026 से डीजल और पेट्रोल से चलने वाले कैब-डिलीवरी वाहनों के संचालन पर रोक लगाने का निर्देश जारी किए हैं। इससे मोटर वाहन एग्रीगेटर्स और ई-कॉमर्स कंपनियों के केवल सीएनजी और इलेक्ट्रिक कॉमर्शियल वाहन ही चल सकेंगे। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने सभी डीजल व पेट्रोल वाहनों को सीएनजी और इलेक्ट्रिक श्रेणी में बदलने के लिए 31 दिसंबर 2025 तक का समय दिया है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने सड़कों पर डीजल और पेट्रोल वाहनों के बढ़ते दबाव को वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण माना है। आयोग का मानना है कि कैब और डिलीवरी सेवाओं में बड़ी संख्या में डीजल और पेट्रोल कारों के इस्तेमाल से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। दिल्ली-एनसीआर के मेरठ समेत सभी शहरों में पांच लाख से अधिक डीजल व पेट्रोल चालित कार मोटर वाहन एग्रीगेटर्स और ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ जुड़कर कारोबार कर रही हैं।

ऑनलाइन फूड आपूर्ति

करने वाली कंपनियों के बड़ी संख्या में डिलीवरी वाहन भी सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इससे प्रदूषण बढ़ रहा है। आयोग के निर्देश पर शासन ने एनसीआर में आने वाले जनपदों में एक जनवरी से चार पहिया एलसीवीएस, एलजीवीएस (एन वन श्रेणी के 3.5 टन तक) और सभी पेट्रोल-डीजल से चलने वाले दो-पहिया डिलीवरी वाहनों के पंजीकरण पर रोक लगाई है।

डीजल-पेट्रोल चालित वाहनों का संचालन रोकने संबंधी आदेश मिल गया है। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह के निर्देश पर इस संबंध में जनजागरूकता अभियान भी शुरू किया गया है। यह आदेश नए और पुराने सभी ऐसे कॉमर्शियल वाहनों पर लागू होगा जो मोटर वाहन एग्रीगेटर्स और ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ मिलकर कारोबार करना चाहते हैं। एक जनवरी के बाद ऐसी कारों और बाइकों के खिलाफ धरपकड़ का अभियान चलाया जाएगा।

मेरठ में 15 हजार ऑटो रिक्शा होंगे बंद, नए परमिट जारी होने पर रोक : राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के उत्तर प्रदेश वाले हिस्से में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए डीजल ऑटो के संचालन पर रोक लगाने का फैसला किया गया है। इससे मेरठ में करीब 15 हजार ऑटो रिक्शा बंद हो जाएंगे। इसके अलावा मेरठ क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण ने प्रतिबंधित वाहनों के लिए नए परमिट जारी करने और परमिट के नवीनीकरण पर रोक लगा दी है। आगामी 31 दिसंबर, 2026 तक डीजल ऑटो रिक्शा संचालन को चरणबद्ध तरीके बंद किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः

लक्ष्य सेन बने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के विजेता बने

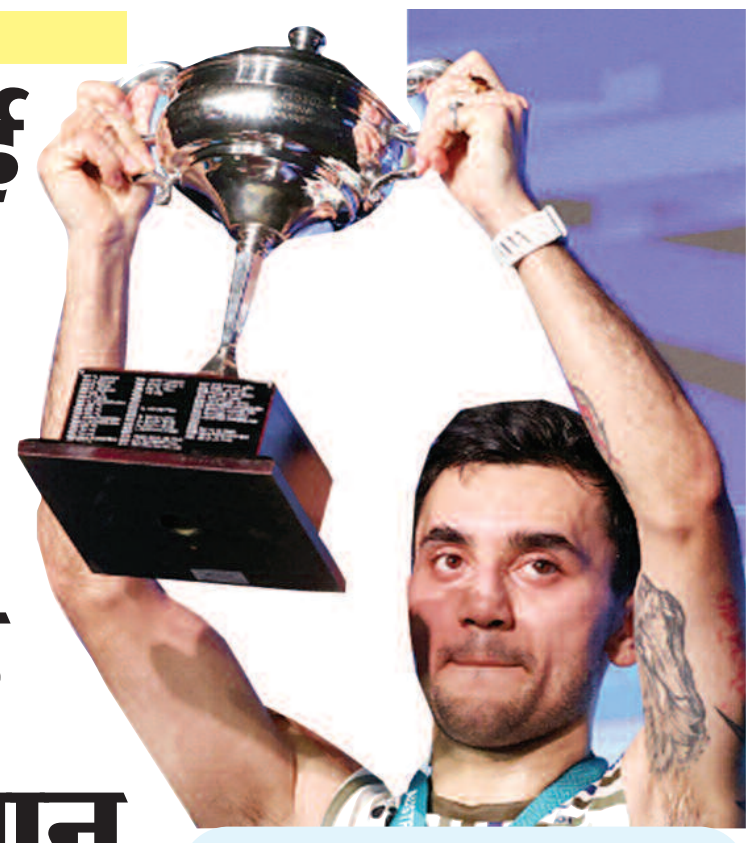

सिडनी, एजेंसी। लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस सत्र का अपना पहला खिताब जीत लिया। लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। 24 साल के लक्ष्य से शानदार लय बरकरार रखते हुए 26 वर्षीय तनाका को 38 मिनट तक चले मैच में 21-15, 21-11 से हराया। लक्ष्य के लिए पिछले समय से चीजें सही नहीं चल रही थीं और वह पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहे थे। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इससे पहले अपना आखिरी सुपर 300 खिताब पिछले साल लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में जीता था। वह सितंबर में हांगकांग सुपर 500 टूर्नामेंट में जीत के करीब थे, लेकिन उपविजेता रहे थे।

लक्ष्य ने नहीं गंवाया एक भी गेम

इस वर्ष ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले विश्व के 26वें नंबर के खिलाड़ी तनाका का सामना करते हुए लक्ष्य ने शानदार नियंत्रण और तेज तर्रार खेल का नमूना पेश किया तथा एक भी गेम गंवाए बिना मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य इस सत्र में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग और चीन मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे, जबकि किदांबी श्रीकांत भी साल की शुरुआत में मलयेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे।

आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले संजू सैमसन बने कप्तान, टीम ने बड़े फैसले से चौंकाया

नई दिल्ली, एजेंसी। संजू सैमसन, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल टीम की कप्तानी करेंगे. इस टूर्नामेंट का आगाज 26 नवंबर से होने जा रहा है. सैमसन पिछले दिनों आईपीएल ट्रेड को लेकर चर्चा में रहे, जो अब राजस्थान रॉयल्स का साथ छोड़ चेन्नई सुपर किंग्स में आ गए हैं. अब आईपीएल ऑक्शन से पूर्व वो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे. केरल के स्क्वाड में संजू के भाई सैली सैमसन को भी जगह मिली है. दोनों भाइयों की जोड़ी इससे पहले केरल क्रिकेट लीग में एकसाथ खेलती दिखी थी. आपको याद दिला दें कि केरल क्रिकेट लीग के सीजन 2 में सैली सैमसन ने कोच्चि ब्लू टाइगर्स टीम की कप्तानी की थी. सैमसन भाइयों के अलावा केरल टीम में अहमद इमरान को जगह मिली है, जो टीम के उपकप्तान होंगे. आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके विग्नेश पुथुर और विष्णु विनोद को भी टीम में जगह मिली है. केसीएल के पिछले दोनों सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अखिल स्कारिया भी स्क्वाड का हिस्सा हैं, लेकिन सचिन बेबी को जगह नहीं मिल पाई है.

केएल राहुल बन सकते है टीम इंडिया के ओडीआई कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की गर्दन की गंभीर तकलीफ के कारण उनके साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज से बाहर होने की संभावना है। ऐसे में केएल राहुल टीम इंडिया की कप्तानी संभाल सकते हैं।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में खेला जाएगा। कोलकाता टेस्ट में बढ़ी गिल की चोट गिल को 14 से 16 नवंबर के बीच कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट के दूसरे दिन बैटिंग करते समय गर्दन में अकड़न महसूस हुई थी। तकलीफ बढ़ने पर उन्हें बीच में ही बल्लेबाजी छोड़नी पड़ी। यह मुकाबला तीन ही दिनों में खत्म हो गया था और भारत को हार का सामना करना पड़ा था। गिल गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट का हिस्सा नहीं हैं।

हालांकि वह टीम के साथ गुवाहाटी तक गए थे, लेकिन बाद में वहां से मुंबई लौट आए। फिलहाल वह मुंबई में लगातार स्कैन और विशेषज्ञों से परामर्श ले रहे हैं। गर्दन की चोट नस या मांसपेशियों से जुड़ी समस्या बीसीसीआई अधिकारियों के मुताबिक गिल की चोट सामान्य नहीं है। यह मांसपेशियों या नसों से जुड़ी जटिल समस्या हो सकती है। गिल को दर्द कम करने के लिए इंजेक्शन दिया गया है और उन्हें आराम की सलाह मिली है। संभावना है कि वह 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20 सीरीज भी मिस कर सकते हैं।

साहिबजादा फरहान ने रचा इतिहास, ये रिकॉर्ड बनाने वाले पाकिस्तान के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 क्रिकेट में विस्फोटक बल्लेबाजी की मिसाल बनने वाले पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान ने श्रीलंका के खिलाफ ट्राई-नेशन टी20आई सीरीज में एक नई उपलब्धि हासिल कर ली। रावलपिंडी में खेले गए मैच में उन्होंने न केवल पाकिस्तान को 27 गेंदें बाकी रहते शानदार जीत दिलाई बल्कि साथ ही ञ्20 फॉर्मेट में एक कैलेंडर साल में 100 से अधिक छक्के लगाने वाले पाकिस्तान के पहले और दुनिया के 12वें बल्लेबाज़ बनकर इतिहास रच दिया। उनकी नाबाद 80 रन की पारी ने पाकिस्तान को सीरीज में लगातार दूसरी जीत दिलाने के साथ उन्हें सुर्खियों में ला दिया। श्रीलंका के खिलाफ इस मुकाबले में साहिबज़ादा फरहान पूरी तरह अलग ही लय में नज़र आए। 45 गेंदों पर नाबाद 80 रन की पारी के दौरान उन्होंने 5 छक्के जड़े और इसी के साथ उनके साल 2025 में कुल छक्कों की संख्या 102 हो गई। इस सूची में उनसे आगे केवल दो खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के करणबीर सिंह (122) और वेस्टइंडीज़ के निकोलस पूरन (103) हैं।फरहान ने यह उपलब्धि पाकिस्तान क्रिकेट में पहली बार हासिल की है, जो उनकी लगातार बेहतर होती फॉर्म और आक्रामक अंदाज़ का बड़ा प्रमाण है। सिर्फ छक्कों के मामले में ही नहीं, फरहान इस साल टी20 में फिफ्टी-प्लस स्कोर के मामले में भी टॉप बैट्समैनों की बराबरी पर हैं।

इंडियाः दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका के 489 रन, भारत ने बिना विकेट गंवाए 9 रन बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे और अंतिम टेस्ट का दूसरा दिन समाप्त हो गया। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के जवाब में भारत ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना किसी नुकसान के 9 रन बनाए। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल क्रीज पर मौजूद थे। इससे पहले कुलदीप यादव ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को शतक की ओर बढ़ रहे माकर यानसन (93) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का 489 के स्कोर पर अंत कर दिया। कुलदीप ने आज 152वें ओवर की पहली गेंद पर माकर यानसन को आउटकर दिन का अपना यह पहला विकेट झटककर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 489 रन के स्कोर पर अंत किया। माकर यानसन ने 91 गेंदों में सात छक्के मारे और छह चौके लगाते हुए 93 रनों की पारी खेली। कुलदीप ने चार विकेट लिए, और जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले। लंच के बाद 139वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने शतकवीर सेनुरन मुथुसामी यशस्वी जयसवाल के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। सेनुरन मुथुसामी ने 206 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए 109 रनों की पारी खेली।

144वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने साइमन हार्मर (पांच) को आउटकर भारत को नौवीं सफलता दिलाई। पहले सत्र में भारतीय गेंदबाजों को चायकाल तक नहीं मिली सफलता, सेनुरन मुथुसामी और काइल वेरेन की जोड़ी ने सातवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े। चायकाल के बाद रवींद्र जडेजा ने काइल वेरेन को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई।

काइल वेरेन ने 122 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 45 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये माकर यानसन ने सेनुरन मुथुसामी के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। इस दौरान सेनुरन मुथुसामी ने अपना शतक और माकर यानसन ने तेज बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपना अर्धशतक जड़ा।

एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में अमर का कमाल, राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ बने विजेता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अमर सिंह देवंदा ने बैंकॉक में आयोजित एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। देवंदा ने 6:59:37 (छह घंटे, 59 मिनट और 37 सेकंड) का राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय निकालकर जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता का आयोजन इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ अल्ट्रारनर्स ने किया था। अमर इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 11 सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा हैं।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'अमर सिंह देवंदा ने भारत के लिए इतिहास रच दिया। उन्होंने 6:59:37 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैम्पियनशिप जीत ली।' भारतीय टीम के अन्य सदस्यों में सौरव कुमार रंजन, गीनो एंटनी, वेलु पेरुमल, योगेश सनप, जयद्रथ, आरती झंवर, रणजी सिंह, सिंधु उमेश, नामग्याल ल्हामो और तेनजिन डोल्मा शामिल हैं।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25 :

इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर बने ओलंपिक स्टार केनी बेडनारक, 21 दिसंबर को होगा आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता (टीएसडब्यू 25 के) के 10वें संस्करण के लिए आयोजकों ने दुनिया के दिग्गज धावक और डबल ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट केनी बेडनारक को इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर नियुक्त किया है।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता (टीएसडब्यू 25 के) के 10वें संस्करण के लिए आयोजकों ने दुनिया के दिग्गज धावक और डबल ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट केनी बेडनारक को इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर नियुक्त किया है। यह प्रतिष्ठित दौड़ 21 दिसंबर 2025 को आयोजित होगी, जिसे वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल का दर्जा प्राप्त है। 27 वर्षीय बेडनारक, जिन्हें खेल जगत में प्यार से 'कुंग फू केनी' कहा जाता है–200 मीटर में टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में सिल्वर जीतने के अलावा टोक्यो में हुई 2025 विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड और सिल्वर अपने नाम कर चुके हैं। दुनिया के सबसे स्थिर और भरोसेमंद स्प्रिंटर्स में उनकी गिनती होती है। कठिन बचपन, गोद लिए जाने और संघर्षों के बाद अमेरिकी धावक का सामुदायिक कॉलेज से वैश्विक एथलेटिक्स के शीर्ष मंच तक पहुंचना प्रेरणादायक सफर है। बेडनारक कहते हैं– 'ज़िंदगी ने सिखाया है कि मंज़िल से ज्यादा सफर मायने रखता है। हर कदम आपको बनाता है। कोलकाता की ऊर्जा और इस दौड़ का सामुदायिक भाव मुझे बेहद प्रेरित करता है।

हॉकी इंडियाः पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा, हॉकी इंडिया ने लिया फैसला

मदुरै, एजेंसी। जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होना है। इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी हॉकी इंडिया ने बड़ा फैसला लेते हुए पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा की है। यह वैश्विक टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होना है।

इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी, जिससे यह जूनियर विश्व कप के इतिहास का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बन जाएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'मुफ्त टिकट की पेशकश करके हमारा उद्देश्य तमिलनाडु और उसके बाहर के छात्रों, युवा खिलाड़ियों, परिवारों और हॉकी प्रेमियों के लिए दरवाजे खोलना है।'

बयान में बताया गया है कि वर्चुअल फ्री टिकट टिकटजीनी वेबसाइट या हॉकी इंडिया ऐप से बुक किए जा सकते हैं।

शादी से पहले अनोखा सेलीब्रेशन, स्मृति मंधाना-पलाश मुच्छल की टीम के बीच खेला गया क्रिकेट मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल ने अपनी शादी से ठीक पहले यानी प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में एक-दूसरे के खिलाफ क्रिकेट मैच खेला। स्मृति मंधाना ने इस मैच में टीम ब्राइड की कप्तानी की जबकि टीम ग्रुम की कप्तानी पलाश मुच्छल ने की और इस मैच का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस मैच में स्मृति मंधाना की भारतीय महिला क्रिकेट टीम की साथी खिलाड़ियों ने साथ ही पलाश के करीब दोस्तों ने हिस्सा लिया। स्मृति की टीम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, राधा यादव और ऋचा घोष शामिल थीं।

पर्थ में हार के बाद हेड कोच मैकुलम ने 'बैजबॉल' का किया समर्थन, कहा- इंग्लैंड पीछे नहीं हटेगा

पर्थ, एजेंसी। इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि पर्थ में एशेज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 विकेट से करारी हार के बाद उनकी टीम अपने 'बैजबॉल' दृष्टिकोण से पीछे नहीं हटेगी।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट सिर्फ दो दिन में खत्म हो गया जिससे यह 1921 के बाद एशेज का सबसे छोटा टेस्ट बन गया। दूसरे दिन की शुरुआत में मेहमान टीम अच्छी स्थिति में थी, लेकिन हार के साथ खत्म दिन का अंत हुआ। दूसरे दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/123 था, कप्तान बेन स्टोक्स की शानदार बॉलिंग से ऑस्ट्रेलिया 132 रन पर आउट हो गई और थ्री लायंस ने 40 रन की लीड ले ली, जिससे वे 14 साल में ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल करने की स्थिति में आ गए। इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की जिससे उन्हें 9 विकेट बाकी रहते 105 रन की लीड मिल गई। हालांकि, उनकी बैटिंग तब लड़खड़ा गई जब उन्होंने 18.2 ओवर के अंदर अपने बाकी सभी विकेट खो दिए और अच्छी शुरुआत के बाद अपने टोटल में सिर्फ 99 रन और जोड़े। इससे ऑस्ट्रेलिया को 205 रन का टारगेट चेज करना पड़ा। लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रैविस हेड ने एशेज इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली जिसमें सिर्फ 83 गेंदों पर 123 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की लीड लेने में मदद मिली।

पहला टेस्ट हारने के बाद हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि नतीजे से दुख होगा, लेकिन उन्हें भरोसा है कि इंग्लैंड पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा और वह आने वाले ब्रिस्बेन टेस्ट पर फोकस करेगा। मैकुलम ने कहा, 'हम कुछ समय से चीजों पर बहुत ज्यादा रिएक्ट करने से बचने की कोशिश कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इससे दुख होगा और इससे सिर्फ हमें ही नहीं, बल्कि इस क्रिकेट टीम को फॉलो करने वाले सभी इंग्लिश लोगों को भी नुकसान होगा। बहुत बातें होंगी। हमारे लिए, यह पक्का करना जरूरी है कि हम अपने कॉन्फिडेंस और अपने भाईचारे को बहुत कम न होने दें। हम जानते हैं कि जब हम अपना बेस्ट देते हैं, तो हम एक बहुत अच्छी क्रिकेट टीम होते हैं। अब हमारे पास अगले 10 से 12 दिनों के लिए काफी समय है ताकि हम यह पक्का कर सकें कि जब हम ब्रिस्बेन पहुंचें, तो हम वापसी करें। मैकुलम ने कहा कि वे अगले चार टेस्ट मैचों में अपने बेजबॉल अप्रोच से पीछे नहीं हटेंगे। मैकुलम ने कहा, 'मेरा मानना है कि आपको टीम में वह एकता, वह तालमेल, कनेक्टिविटी और वह भाईचारा बनाना होगा, जब आप सबसे ज़्यादा दबाव में हों, और सबसे अच्छी स्थिति में हों, और चीजें उस हिसाब से काम न कर रही हों। मेरे लिए साथ रहने, एक-दूसरे का साथ देने और लक्ष्य की ओर बढ़ते रहने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है।

यह एक मैराथन है, स्प्रिंट नहीं। आज हमारा दिन बहुत बुरा रहा, लेकिन हमने पहले भी ऐसा किया है। यही हमारा ब्लूप्रिंट है। हम इसके लिए तैयार हैं और हम अगले चार टेस्ट मैचों में इससे पीछे नहीं हटेंगे।' ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा में खेला जाएगा।